भोपाल, कटनी, मंडला, जबलपुर, इंदौर, मुंबई, दिल्ली, रायपुर, नरसिंहपुर, सिवनी से एक साथ प्रकाशित

yashbharat.co.in

नये जमाने के साथ..

यश भारत

● वर्ष-12 अंक-305 ● भोपाल ● शनिवार, 7 नवम्बर, 2026 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● कार्तिक कृष्ण पक्ष 13 ● विक्रम संवत् 2083

रूप चौदस की हार्दिक शुभकामनाएं



सीकरी खुर्द गांव में निर्माणाधीन मकान का लैंटर गिरा, मची अफरा-तफरी

मोदीनगर, एजेंसी। गाजियाबाद के मोदीनगर क्षेत्र स्थित सीकरी खुर्द गांव में निर्माणाधीन मकान का लैंटर अचानक गिर गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। मलबे में कई लोगों के दबे होने की आशंका जताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंच गईं। पुलिस और दमकलकर्मियों ने राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया है। मलबे में दबे लोगों की तलाश की जा रही है। फिलहाल किसी के हताहत होने या घायल होने की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। प्रशासन की टीमें मौके पर मौजूद हैं और बचाव कार्य जारी है।

सीबीएसई ने जारी की दसवीं बोर्ड परीक्षा की समय-सारिणी, 16 फरवरी से परीक्षाएं

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने कक्षा दसवीं की वर्ष 2027 की बोर्ड परीक्षाओं की समय-सारिणी जारी कर दी है। इसके अनुसार, दसवीं की परीक्षाएं 16 फरवरी से शुरू होकर 9 मार्च 2027 तक आयोजित की जाएंगी। परीक्षा में शामिल होने वाले विद्यार्थी जारी कार्यक्रम के आधार पर अपनी तैयारी की योजना बना सकते हैं। बोर्ड की ओर से परीक्षा की तारीखें घोषित होने के बाद विद्यार्थियों को विषयवार तैयारी और दोहराव के लिए समय निर्धारित करने में मदद मिलेगी। छात्र परीक्षा कार्यक्रम के अनुसार पढ़ाई की रणनीति बना सकते हैं और जिन विषयों में अधिक तैयारी की जरूरत है, उन पर विशेष ध्यान दे सकते हैं। हालांकि, उपलब्ध जानकारी में विषयवार परीक्षा तिथियों और समय का विवरण नहीं दिया गया है। विद्यार्थियों को सलाह है कि वे सीबीएसई की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी डेटशीट देखकर अपने विषयों की परीक्षा की तारीख और समय की पुष्टि कर लें।

वसुंधरा पुलिस चौकी में जोरदार धमाका, खिड़कियों के कांच टूटे, डिलीवरी बॉय घायल

गाजियाबाद, एजेंसी। दिल्ली से सटे उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में शुक्रवार देर रात वसुंधरा पुलिस चौकी में जोरदार धमाका हुआ। धमाके की तीव्रता इतनी अधिक थी कि चौकी की खिड़कियों के कांच टूट गए। घटना के समय चौकी में एक सब-इंस्पेक्टर और एक डिलीवरी बॉय मौजूद थे। कांच के टुकड़े लगने से डिलीवरी बॉय घायल हो गया, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। धमाके की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। एडिशनल सीपी राज करण नायर, इंदिरापुरम के एसीपी सूर्यबली मौर्य और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। अधिकारियों ने पुलिस चौकी का निरीक्षण किया और घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। पुलिस विस्फोट के कारणों का पता लगाने में जुटी है। एसीपी सूर्यबली मौर्य ने बताया कि विस्फोट किस पदार्थ से हुआ है, इसकी जानकारी जांच पूरी होने के बाद ही मिल सकेगी। घटना के समय चौकी में एक सब-इंस्पेक्टर मौजूद थे। इसी दौरान सामान देने के लिए एक डिलीवरी बॉय भी वहां पहुंचा था, जो टूटे कांच के टुकड़े लगने से घायल हो गया।

तीन दिन बाद खत्म हुई सफाई कर्मचारियों की हड़ताल, आठ मांगों पर बनी सहमति



भोपाल, यशभारत। राजधानी भोपाल सहित प्रदेश के नगरीय निकायों में पिछले तीन दिनों से जारी सफाई कर्मचारियों की हड़ताल शुक्रवार को समाप्त हो गई। मुख्यमंत्री मोहन यादव से कर्मचारी संगठनों के पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल की मुलाकात के बाद हड़ताल खत्म करने की घोषणा की गई। सरकार और कर्मचारी संगठनों के बीच 10 में से आठ मांगों पर सहमति बनने का दावा किया गया है। इसके बाद कर्मचारियों ने काम पर लौटने और शहरों में सफाई व्यवस्था बहाल करने का निर्णय लिया।

मुख्यमंत्री निवास पर हुई बातचीत

शुक्रवार को सफाई कर्मचारी संघ के अध्यक्ष और अन्य पदाधिकारियों का प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री निवास पहुंचा। यहां मुख्यमंत्री मोहन यादव के साथ कर्मचारियों के कल्याण, सेवा शर्तों और लंबित मांगों पर चर्चा हुई। बातचीत के बाद कर्मचारी संगठनों ने आंदोलन समाप्त करने का ऐलान किया। हड़ताल खत्म होने से नगरीय निकायों में ठप पड़े सफाई कार्यों के दोबारा शुरू होने का रास्ता साफ हो गया। बैठक में 25 दिवसीय सफाई कर्मचारियों को नियमित करने की प्रक्रिया में शामिल करने पर सहमति बनने की बात कही गई है। इससे उनका वेतन बढ़कर करीब 18 से 20 हजार रुपये होने की उम्मीद है। वहीं, 29 दिवसीय और दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को स्थायी करने की प्रक्रिया भी शुरू की जाएगी। इसके लिए एक महीने के भीतर कार्रवाई पूरी करने का आश्वासन दिया गया है।

पूरी रात चला सफाई अभियान

सफाई कर्मचारियों ने अपनी हड़ताल समाप्त होते ही अपना काम शुरू कर दिया। पूरा अमला पूरी रात सफाई के काम में जुटा रहा। जहां सफाई कर्मचारी सफाई कर रहे थे, वहीं कचरा उठाने वाला अमला अपना काम करता रहा । वरिष्ठ अधिकारी भी साथ में निगरानी में लगे रहे। परिणाम स्वरूप सुबह सारा भोपाल शहर पहले की तरह साफ और व्यवस्थित दिखा ।



तीन हजार मीट्रिक टन से अधिक कचरा जमा

तीन दिनों की हड़ताल के कारण भोपाल में सफाई व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई। शहर के अलग-अलग हिस्सों में तीन हजार मीट्रिक टन से अधिक कचरा जमा हो गया। त्योहार के दौरान बाजारों में बढ़ती भीड़ के बीच गंदगी से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। हड़ताल समाप्त होने के बाद नगर निगम प्रशासन ने सफाई व्यवस्था जल्द सामान्य करने की तैयारी शुरू कर दी है।

महापौर और निगम आयुक्त ने संभाली व्यवस्था

महापौर मालती राय ने हड़ताल समाप्त होने से पहले कहा था कि कर्मचारी संगठनों के साथ बातचीत सकारात्मक रही है और मुख्यमंत्री ने भी प्रतिनिधिमंडल को मुलाकात का समय दिया है। उन्होंने भरोसा जताया था कि कर्मचारी शहर की सफाई के लिए काम पर लौटेंगे। नगर निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने बताया कि सभी स्वच्छता निरीक्षकों, मुख्य स्वच्छता निरीक्षकों और सहायक स्वास्थ्य अधिकारियों को मैदान में भेज दिया गया है। सफाई कार्य तेजी से पूरा करने के लिए अतिरिक्त वाहन और कर्मचारियों की व्यवस्था भी की जा रही है।

13 हजार कर्मचारी आंदोलन में हुए थे शामिल

अखिल भारतीय सफाई मजदूर ट्रेड यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष मगनलाल झांझोट के अनुसार, भोपाल में करीब सात हजार सफाईकर्मी हैं। इनके अलावा छह हजार कंप्यूटर ऑपरेटर, लिपिक, जलप्रदाय, अग्निशमन, भवन अनुज्ञा, अतिक्रमण, विद्युत, यांत्रिकी, उद्यान और योजना प्रकोष्ठ के कर्मचारी भी आंदोलन में शामिल थे। इस तरह करीब 13 हजार कर्मचारियों की हड़ताल का असर नगर निगम मुख्यालय, सभी 85 वार्ड और 21 जोन के कामकाज पर पड़ा।

बाकी मांगों पर आगे होगी चर्चा

कर्मचारी संगठनों की कुल 10 मांगें थीं, जिनमें से आठ पर सहमति बनने का दावा किया गया है। शेष मांगों पर आगे बातचीत की जाएगी। अब कर्मचारियों के नियमितीकरण और स्थायीकरण की प्रक्रिया तय समयसीमा में पूरी करना सरकार और नगर निगम प्रशासन के सामने चुनौती होगी। फिलहाल कर्मचारियों के काम पर लौटने से शहर में सफाई व्यवस्था बहाल होने की उम्मीद है।

पार्किंग विवाद में टेक महिंद्रा के एशिया हेड की गोली मारकर हत्या



फरीदाबाद, एजेंसी। *हरियाणा के फरीदाबाद में पार्किंग विवाद को लेकर टेक महिंद्रा कंपनी के एशिया हेड परमजीत धनखड़ की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना सेक्टर-21सी स्थित बिल्डिंग नंबर-641 में हुई। आरोप है कि उनके पड़ोसी मोनू शर्मा ने लाइसेंसी पिस्टल से करीब 15 राउंड फायरिंग की, जिसमें परमजीत को नौ गोलियां लगीं और उनकी मौके पर ही मौत हो गई।*

पुलिस के मुताबिक, परमजीत पहली मंजिल पर रहते थे, जबकि आरोपी तीसरी मंजिल पर रहता था। दोनों परिवारों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। मोनू का बेटा पार्किंग में अपने पालतू कुत्ते को शौच कराता था, जिसका परमजीत का बेटा विरोध करता था। इस बात को लेकर पहले भी कहासुनी हुई थी। शुक्रवार रात करीब आठ बजे परमजीत जिम से लौटे तो उनकी निर्धारित पार्किंग में मोनू की गाड़ी खड़ी थी। गाड़ी हटाने को कहने पर दोनों में विवाद हो गया। आरोप है कि मोनू पिस्टल लेकर पहुंचा और परमजीत पर गोलियां चला दीं। परमजीत पांच नवंबर को सिंगापुर से अपने भांजे की शादी में शामिल होने आए थे। शादी 24 नवंबर को होनी है। वारदात के बाद आरोपी परिवार सहित फरार हो गया।

तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटी, पांच की मौत, 17 घायल

सीतापुर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के सीतापुर जिले के पिसावां थाना क्षेत्र में शुक्रवार शाम तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से ट्रैक्टर-ट्रॉली पलट गई। हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि 17 लोग घायल हो गए। मृतकों में नौ साल की बच्ची और करीब पांच महिलाएं शामिल हैं। सभी लोग हरदोई से मुंडन संस्कार कराकर लौट रहे थे। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। जानकारी के अनुसार, बरगवां के पास पीछे से आए तेज रफ्तार ट्रक ने ट्रैक्टर-ट्रॉली को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही ट्रॉली अनियंत्रित होकर पलट गई और उसमें सवार लोग नीचे दब गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना देकर राहत कार्य शुरू किया। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से ट्रॉली के नीचे दबे लोगों को बाहर निकाला। सभी घायलों को एंबुलेंस से महोली और पिसावां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। वहां से गंभीर घायलों को जिला अस्पताल रेफर किया गया।

बैंकिंग संकट के बाद पराग्वे के राष्ट्रपति सैंटियागो पेना पद से हटाए गए



असुनसियोन, एजेंसी। दक्षिण अमेरिकी देश पराग्वे में बैंकिंग संकट के बाद राष्ट्रपति सैंटियागो पेना को महाभियोग के जरिए पद से हटा दिया गया है। सीनेट में उनके खिलाफ प्रस्ताव के पक्ष में 44 सदस्यों ने मतदान किया, जबकि एक सदस्य अनुपस्थित रहा। इसके बाद उपराष्ट्रपति पेड्रो अलियाना ने नए राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। वह अगस्त 2028 तक पद संभालेंगे। राजनीतिक संकट की शुरुआत यूएनो बैंक के वित्तीय संकट और उसके बंद होने के बाद हुई। केंद्रीय बैंक ने भुगतान क्षमता में कमी की आशंका के चलते बैंक को अपने नियंत्रण में ले लिया था। इसके बाद खाताधारकों को जमा पूंजी और बैंकिंग सेवाओं तक पहुंचने में परेशानी हुई। पेना पर आरोप लगे कि उनके कारोबारी संबंधों के कारण बैंक को सरकारी स्तर पर फायदा पहुंचाया गया और नियामकीय निगरानी में ढिलाई बरती गई। उन पर पद के दुरुपयोग और गंभीर लापरवाही के आरोप भी लगाए गए। हालांकि, पेना ने किसी भी तरह की गड़बड़ी से इनकार किया है।

इजराइल में सरकार गठन पर फैसला कल करेंगे राष्ट्रपति हर्जोग



यरुशलम, एजेंसी। इजराइल में नई सरकार के गठन को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। राष्ट्रपति इसाक हर्जोग रविवार को अगले प्रधानमंत्री के नाम का ऐलान करेंगे। सरकार बनाने के लिए संसद में कम से कम 61 सांसदों का समर्थन जरूरी है। गादी आइजनकोट के गठबंधन को छह पार्टियों के 67 सांसदों का समर्थन मिला है, जबकि मौजूदा प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के पक्ष में केवल 46 सांसद बताए जा रहे हैं। राष्ट्रपति हर्जोग ने गुरुवार को संसद में चुनी गई सभी पार्टियों के नेताओं से मुलाकात की थी। उन्होंने कहा कि सांसदों की राय पहली नजर में स्पष्ट है, लेकिन राजनीतिक दलों के बीच कई मुद्दों पर सहमति नहीं बन पाई है। पार्टियों को एक-दूसरे के साथ भी आपत्तियां हैं। हर्जोग के अनुसार, केवल सांसदों की सिफारिश के आधार पर यह तय नहीं किया जा सकता कि कौन सरकार बनाने में सक्षम होगा। उन्होंने कुछ पार्टी नेताओं से अलग से बातचीत करने की बात कही है, ताकि गठबंधन की संभावनाएं स्पष्ट हो सकें। आइजनकोट को समर्थन देने वाली छह पार्टियों में चार यहूदी और दो अरब पार्टियां शामिल हैं। चार यहूदी दलों के पास 48 और दो अरब दलों के पास 19 सीटें हैं। हालांकि, इनमें से तीन यहूदी पार्टियां अरब दलों के साथ सरकार बनाने के पक्ष में नहीं हैं। आइजनकोट भी चुनाव से पहले अरब पार्टियों को सरकार में शामिल करने से इनकार कर चुके हैं। वहीं, अरब पार्टियों का कहना है कि उनका समर्थन नेतन्याहू को सत्ता से हटाने के उद्देश्य से है।



अमेरिका में हिरासत में लिया गया लॉरेंस बिश्नोई गैंग का करीबी हैरी बॉक्सर

नई दिल्ली, एजेंसी। लॉरेंस बिश्नोई गैंग के करीबी और हरियाणा के वांछित गैंगस्टर हैरी बॉक्सर को अमेरिका में हिरासत में लिया गया है। हरियाणा स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) के मुताबिक, हैरी अमेरिका में रहकर गैंग की गतिविधियां संचालित कर रहा था। वह लंबे समय से हरियाणा पुलिस की तलाश में था। हैरी बॉक्सर उस मामले में भी चर्चा में आया था, जिसमें फिल्म निर्माता रोहित शेट्टी के मुंबई स्थित आवास के बाहर फायरिंग हुई थी। इस घटना के बाद उसने सोशल मीडिया पर पोस्ट और ऑडियो संदेश जारी कर फायरिंग की जिम्मेदारी ली थी। उसने इन संदेशों के जरिए बॉलीवुड से जुड़े लोगों को धमकी भी दी थी। हरियाणा एसटीएफ के अनुसार, हैरी के खिलाफ हत्या, धमकी देने और रंगदारी वसूलने सहित कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। वह अमेरिका में बैठकर लॉरेंस बिश्नोई गैंग के लिए काम कर रहा था। उसकी हिरासत को गैंग की गतिविधियों और विदेश में सक्रिय नेटवर्क की जांच के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अब भारतीय एजेंसियां उसकी हिरासत और आगे की कानूनी प्रक्रिया से जुड़ी जानकारी जुटा रही हैं।

ड्राफ्ट मतदाता सूची से हटे लोगों को नाम जुड़वाने का एक और मौका



नई दिल्ली, एजेंसी। *चुनाव आयोग ने दिल्ली सहित सात राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत ड्राफ्ट मतदाता सूची से हटाए गए लोगों को अंतिम सूची में नाम शामिल कराने का एक और मौका दिया है। इस फैसले से उन लाखों मतदाताओं को राहत मिलेगी, जिनके नाम गणना फॉर्म समय पर जमा नहीं होने के कारण सूची से बाहर हो गए थे।*

ड्राफ्ट सूची तैयार करते समय कई मतदाताओं के नाम अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत या दोहरे पंजीकरण की श्रेणी में दर्ज कर हटा दिए गए थे। इसके बाद पुराने मतदाताओं को नाम दोबारा जुड़वाने के लिए फॉर्म-6 भरना पड़ रहा था। इसमें पहली बार मतदाता के रूप में पंजीकरण कराने की घोषणा करनी होती है, जबकि पहले से पंजीकृत लोग ऐसा करने से हिचक रहे थे। पता बदलने वालों को फॉर्म-8 की प्रक्रिया से भी गुजरना पड़ रहा था। आयोग ने स्पष्ट किया है कि प्रभावित मतदाताओं को अब फॉर्म-6 या फॉर्म-8 भरने की जरूरत नहीं होगी। वे केवल नया एसआईआर गणना फॉर्म भरकर नाम शामिल कराने का आवेदन कर सकेंगे। ड्राफ्ट सूची के प्रकाशन के बाद बंद की गई गणना प्रक्रिया को दावे और आपत्तियां दर्ज कराने की समयसीमा समाप्त होने तक फिर से खोल दिया गया है। आयोग ने संबंधित राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं। मतदाता अपना फॉर्म ऑनलाइन या ऑफलाइन माध्यम से निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी अथवा बूथ लेवल अधिकारी के पास जमा कर सकते हैं। इसके साथ घोषणापत्र देना होगा, जिसमें पहले फॉर्म जमा नहीं कर पाने का कारण बताने के साथ यह पुष्टि करनी होगी कि इस दौरान फॉर्म-6 से नया पंजीकरण कराने के लिए आवेदन नहीं किया गया है। यह व्यवस्था दिल्ली, हरियाणा, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, झारखंड, तेलंगाना और नगालैंड में लागू होगी।

चारधाम की आस्था से कांग्रेस पर हमले तक, अमित शाह ने साधे सियासी निशाने

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड राज्योत्सव के अवसर पर परेड ग्राउंड में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के संबोधन में धार्मिक आस्था और चुनावी राजनीति का मिला-जुला स्वर दिखाई दिया। विधानसभा चुनाव की आहट के बीच उन्होंने देवभूमि की माटी को प्रणाम कर भाषण की शुरुआत की।



शाह ने गुजरात और उत्तराखंड के आध्यात्मिक संबंधों का उल्लेख करते हुए कहा कि गुजरात में मान्यता है कि जो चारधाम की यात्रा नहीं करता, उसके लिए मोक्ष का द्वार नहीं खुलता। उन्होंने केदारनाथ, बदरीनाथ, गंगा, यमुना, हेमकुंड साहिब और हरिद्वार की धार्मिक महत्ता का स्मरण किया। इसके बाद उन्होंने राज्य निर्माण के संघर्ष और आंदोलनकारियों के बलिदान को याद किया। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को उत्तराखंड राज्य की स्थापना का श्रेय देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसे संवारने का काम किया है। उन्होंने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर राज्य आंदोलन के दौरान अत्याचार करने का आरोप भी लगाया। शाह ने राज्य स्थापना दिवस को गौरव, सिद्धि और संकल्प के तीन सूत्रों से जोड़ते हुए सांस्कृतिक विरासत, पर्यावरण संरक्षण और देशभक्ति की परंपरा बचाए रखने का आह्वान किया। संबोधन के राजनीतिक हिस्से में उन्होंने कांग्रेस पर तुष्टीकरण की राजनीति करने और मुस्लिम विश्वविद्यालय की वकालत करने का आरोप लगाया। अवैध मदरसों और मजारों का मुद्दा उठाकर विपक्ष पर निशाना साधा।

दुबई में मेडिकल खर्च और लंबी वेटिंग के बीच देवदूत बने भारतीय

दुबई/दिल्ली, यशभारत। दुबई घूमने गए मध्य प्रदेश के ज्ञानेंद्र तिवारी को अचानक आई गंभीर चिकित्सीय आपातस्थिति के बाद भारतीय दूतावास और दुबई में सक्रिय प्रवासी भारतीय समुदाय के सहयोग से सुरक्षित भारत (दिल्ली) वापस लाया गया है। ज्ञानेंद्र 13 अक्टूबर को टूरिस्ट वीजा पर दुबई गए थे। 15 अक्टूबर को डेजर्ट सफारी से लौटने के बाद अचानक सीने में दर्द की शिकायत पर उन्हें अल ज़हरा हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, जहाँ जांच में 90% ब्लॉकेज पाए जाने पर उनकी तत्काल एंजियोप्लास्टी की गई। कार्डियक अरेस्ट के कारण मस्तिष्क में ऑक्सीजन की कमी से उनकी स्थिति अत्यधिक नाजुक हो गई और उन्हें वेंटिलेटर पर रखना पड़ा।

भारतीय युवक गंभीर अस्वस्थता के चलते फंसा
दूतावास और प्रवासी भारतीयों की मदद से दिल्ली लाया गया

मददगारों की पहल से आसान हुई स्वदेश वापसी

परिजन मरीज को जल्द से जल्द भारत लाकर इलाज कराना चाहते थे, लेकिन एयरलाइंस से उन्हें 14 नवंबर की स्ट्रेचर टिकट मिल रही थी। अस्पताल का भारी दैनिक खर्च देखते हुए 14 तारीख तक दुबई में रुककर इलाज जारी रखना परिजनों की आर्थिक क्षमता से बाहर हो चुका था। इस संकट की घड़ी में सबसे पहले इंदौर ग्रुप IIBM के मेंबर्स अंजू भाटिया ने पहल करते हुए इस मामले में मदद की शुरुआत की। इसके साथ ही कांसुलेट जनरल ऑफ़ इंडिया (दुबई) का मदद सेक्शन, दुबई निवासी चंद्रशेखर भाटिया, सामाजिक सेवा में सक्रिय उमा शंकरी कृष्णमूर्ति और 'ह्यूमन केयर वर्ल्डवाइड' की टीम भी आगे आई। इन सभी के विशेष प्रयासों और साझा समन्वय से 04 नवंबर की एमीरेट्स एयरलाइंस की टिकट व स्ट्रेचर की व्यवस्था हुई, जिससे ज्ञानेंद्र को 04 नवंबर की रात दुबई से रवाना कर 05 नवंबर की तड़के सुरक्षित दिल्ली लाया गया। अनूपपुर निवासी देवेंद्र कुमार तिवारी के परिजनों ने इस सहयोग के लिए भारतीय दूतावास और पूरे प्रवासी समुदाय का आभार व्यक्त किया है।

टूरिस्ट इंश्योरेंस की उपयोगिता व भारतीय दूतावास की एडवाइजरी

विदेश जाने वाले प्रत्येक यात्री के लिए 'टूरिस्ट इंश्योरेंस' एक ढाल की तरह काम करता है। अल ज़हरा अस्पताल में प्रतिदिन का खर्च लगभग 12,000 दिरहम (करीब 2.7 लाख रुपये) था। ज्ञानेंद्र तिवारी के पास 1 लाख डॉलर (लगभग 83 लाख रुपये) का मेडिकल बीमा कवरेज एक्टिव था, जिससे अस्पताल में शुरुआती और आवश्यक इलाज का भारी-भरकम भुगतान संभव हो सका। हाल ही में भारतीय दूतावास (अबू धाबी) और कॉन्सुलेट जनरल ऑफ इंडिया (दुबई) ने भी श्व जाने वाले और वहाँ रहने वाले भारतीय नागरिकों के लिए एक एडवाइजरी जारी की है। एडवाइजरी में सलाह दी गई है कि यात्रा शुरू करने से पहले पर्याप्त और उचित मेडिकल इंश्योरेंस जरूर कराएं, जिसमें कैशलेस सुविधाओं के साथ-साथ किसी भी अनहोनी या चिकित्सीय आपात स्थिति में भारत वापस लाने का खर्च भी कवर शामिल हो। यह घटना सबक देती है कि विदेश यात्रा के दौरान पर्याप्त मेडिकल बीमा जरूर कराएं।

दीपावली से पहले दिल्ली की हवा हुई बेहद खराब, एक्यूआई 364 पर पहुंचा



नई दिल्ली, एजेंसी। *राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में दीपावली से एक दिन पहले वायु प्रदूषण का स्तर बेहद खराब हो गया। शनिवार सुबह नौ बजे दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 364 दर्ज किया गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, यह बहुत खराब श्रेणी में आता है। प्रदूषण के कारण सुबह कई इलाकों में धुंध की मोटी परत छाई रही।*

इससे पहले शुक्रवार शाम चार बजे दिल्ली का 24 घंटे का औसत एक्यूआई 382 दर्ज किया गया था। वायु गुणवत्ता पूर्व चेतावनी प्रणाली के अनुमान के मुताबिक, शनिवार को प्रदूषण का स्तर बढ़कर गंभीर श्रेणी में पहुंच सकता है। दिल्ली के 59 निगरानी केंद्रों में से 18 पर शनिवार सुबह हवा की गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में दर्ज की गई। एक्यूआई के मानकों के अनुसार, 301 से 400 के बीच का स्तर बहुत खराब और 401 से 500 के बीच गंभीर माना जाता है। हवा की धीमी गति और मौसमी परिस्थितियों के कारण प्रदूषक तत्व वातावरण में जमा हो रहे हैं। इससे प्रदूषण में जल्द सुधार की उम्मीद कम है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बच्चों, बुजुर्गों और सांस संबंधी बीमारियों से पीड़ित लोगों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है। इस बीच राजधानी में ठंड का असर भी बढ़ने लगा है। मौसम विभाग के अनुसार, सफदरजंग में न्यूनतम तापमान 16.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1.9 डिग्री कम रहा। मौसम विभाग ने आगामी दिनों में आसमान मुख्य रूप से साफ रहने का अनुमान जताया है।

एम्स भोपाल की सख्त चेतावनी सर्दियों की मामूली सर्दी-खांसी को न करें नजरअंदाज, फेफड़ों पर पड़ सकता है भारी

भोपाल, यश भारत।

सर्दियों के आते ही शहर में वायरल फीवर, सर्दी-खांसी और गले के संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ने लगे हैं। इसे केवल सामान्य मौसम बदलाव मानकर नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है। एम्स भोपाल ने सर्दियों के मौसम को लेकर एक चेतावनी जारी करते हुए स्पष्ट किया है कि यह लापरवाही फेफड़ों के गंभीर संक्रमण, वायरल निमोनिया और सांस की भारी तकलीफ में बदल सकती है। अस्पताल प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे समय रहते सतर्कता बरतें और टीकाकरण व सुरक्षा उपायों को प्राथमिकता दें।

बंद कमरों और कम हवा-आवाजाही से बढ़ता है खतरा

विशेषज्ञों के मुताबिक, तापमान गिरने और नमी में बदलाव होने से सांस के वायरस को फैलने के लिए अनुकूल माहौल मिल जाता है। ठंड बढ़ने पर लोग अधिकांश समय खिड़की-दरवाजे बंद कर ऐसी जगहों पर गुजारते हैं जहां वेंटिलेशन कम होती है। इससे हवा के जरिए इन्फ्लूएंजा और अन्य खतरनाक वायरस एक से दूसरे व्यक्ति तक तेजी से पहुंचते हैं। अचानक तेज



बुखार, कंपकंपी, सिरदर्द, बदन दर्द, गले में खराश और अत्यधिक थकान इसके शुरुआती लक्षण हैं।

इन मरीजों को बरतनी होगी विशेष सावधानी–बुजुर्गों, छोटे बच्चों, गर्भवती महिलाओं और धूम्रपान करने वालों के लिए यह मौसम विशेष रूप से संवेदनशील है। इसके अलावा, जो लोग पहले से दमा सीओपीडी , मधुमेह, हृदय रोग से पीड़ित हैं या जिनकी रोग-प्रतिरोधक क्षमता (इम्यूनिटी) कमजोर है, उन्हें जरा सी भी लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए। इन मरीजों में सामान्य दिखने वाला वायरल संक्रमण भी पुरानी बीमारी को बिगाड़ सकता है।

टीकाकरण और एंटीबायोटिक को लेकर जरूरी सलाह–चिकित्सकों का कहना है कि इन्फ्लूएंजा से बचाव के लिए हर साल टीका लगवाना सबसे असरदार उपाय है। उम्र और स्वास्थ्य की स्थिति को देखते हुए डॉक्टर की सलाह से निमोनिया का टीका लगवाने पर भी विचार करना चाहिए। इसके साथ ही सबसे अहम बात यह है कि एंटीबायोटिक दवाएं वायरल संक्रमण पर असर नहीं करतीं। इन्हें अपनी मर्जी से मेडिकल स्टोर से लेकर बिल्कुल न खाएं। एंटीबायोटिक तभी ली जानी चाहिए जब बैक्टीरिया से दूसरा संक्रमण होने की पुष्टि या आशंका हो।

इन गंभीर लक्षणों पर तुरंत दिखाएं डॉक्टर–यदि मरीज को लगातार तेज बुखार बना रहे, सांस फूलने की गति बढ़ती जाए, सीने में दर्द हो, मरीज भ्रम की स्थिति में नजर आए या होंठ नीले पड़ने लगें, तो बिना देर किए अस्पताल पहुंचे। फेफड़ों की पुरानी बीमारी से जूझ रहे मरीजों को जरा भी लक्षण दिखने पर तुरंत चिकित्सीय परामर्श लेना चाहिए। भीड़-भाड़ वाली जगहों पर मास्क पहनकर, नियमित हाथ धोकर और धूम्रपान से दूर रहकर इस खतरे को काफी हद तक टाला जा सकता है।



सुशीला हायर सेकेंडरी स्कूल, बागेर में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई दीपावली

आष्टा, यश भारत।

स्थानीय सुशीला हायर सेकेंडरी स्कूल में दीपावली के पावन पर्व पर विविध रचनात्मक और सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का भव्य आयोजन किया गया। विद्यालय परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी बहुमुखी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की शुरुआत रंगोली, फैंसी ड्रेस तथा झरोखा एवं दीपक सजाओ प्रतियोगिताओं से हुई। छात्राओं ने भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं को दर्शाते हुए सुंदर साड़ियां पहनीं। वहीं, मनमोहक रंगोलियों के जरिए स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, जल संरक्षण, नशा मुक्ति और आत्मरक्षा जैसे प्रेरणादायक सामाजिक संदेश दिए। विद्यार्थियों द्वारा सजाए गए दीये और थालियां भी आकर्षण का केंद्र रहीं, जिनकी सभी ने खुलकर प्रशंसा की।

ऐसी प्रतियोगिताओं के आयोजन का उद्देश्य

विद्यालय प्रबंधन का मुख्य उद्देश्य बच्चों का सर्वांगीण और बौद्धिक विकास करना है। इस तरह की सहगामी गतिविधियों से विद्यार्थियों में आत्मविश्वास मजबूत होता है और उन्हें अपनी कला व प्रतिभा दिखाने का खुला मंच मिलता है। पढ़ाई के साथ-साथ सांस्कृतिक और रचनात्मक आयोजनों से बच्चों में सांस्कृतिक मूल्यों, सामाजिक जागरूकता और भाईचारे की भावना का विकास होता है। प्राचार्य रानू परमार ने कहा कि दीपावली खुशियों और प्रकाश का पर्व है, जिसे हमें आपसी प्रेम, भाईचारे और सुरक्षा के साथ मनाना चाहिए। त्योहार की उमंग में सुरक्षा का ध्यान रखना सबसे जरूरी है। बच्चे आतिशबाजी करते समय विशेष सावधानी बरतें, छोटों की देखरेख करें और केवल फुलझड़ियां या चकरी जैसे छोटे पटाखे ही जलाएं। आप सभी का जीवन इसी दीपोत्सव की तरह सदा जगमगाता रहे। '

पुलिस मुख्यालय में नवनियुक्त एसपी बालाघाट मलय जैन का विदाई एवं सम्मान समारोह आयोजित

डीजीपी कैलाश मकवाणा बोले- सुनें सबकी, करें वही जो सही हो

अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने साझा किए कार्य-अनुभव, उत्कृष्ट सेवाओं की सराहना

भोपाल, यश भारत।

पुलिस मुख्यालय में पदस्थ वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एवं एसओ टू डीजीपी मलय जैन को पुलिस अधीक्षक, बालाघाट के पद पर नई जिम्मेदारी मिलने पर पुलिस मुख्यालय में एक विदाई एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने श्री जैन को पुष्पमाला पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया तथा बालाघाट में नई जिम्मेदारी के सफल निर्वहन के लिए शुभकामनाएं दीं।

डीजीपी कैलाश मकवाणा ने इस दौरान अपने संबोधन में कहा कि दिसंबर 2024 में स्टाफ ऑफिसर के रूप में मलय जैन का चयन करते समय उनके ईमानदार, कर्मठ एवं विवादरहित कार्य व्यवहार को प्राथमिकता दी गई थी। उन्होंने स्टाफ ऑफिसर के रूप में जनसुनवाई के आवेदनों की नियमित निगरानी, ट्रैकिंग तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों को तत्काल पुरस्कृत करने की व्यवस्था को प्रभावी ढंग से संचालित किया।

नक्सली समस्या और बालाघाट की



चुनौतियां

डीजीपी श्री मकवाणा ने अपने पूर्व के अनुभवों को साझा करते हुए बताया कि बालाघाट जिला पुलिस के लिए एक महत्वपूर्ण और चुनौतीपूर्ण क्षेत्र रहा है। लगभग 32 वर्ष पूर्व वहां संचार सुविधाओं के अभाव, घने जंगलों में लंबी पैदल गश्त तथा बारूदी सुरंगों जैसे गंभीर खतरों के बीच पुलिस बल को कार्य करना पड़ता था। उस दौर में पुलिसकर्मियों ने अत्यंत कठिन परिस्थितियों में कर्तव्यों का निर्वहन किया। उन्होंने कहा कि पुलिस बल के सतत प्रयासों से आज बालाघाट में नक्सली समस्या समाप्त हुई है। ऐसे में जिले के पुलिस अधीक्षक के रूप में पुलिस बल का मनोबल बनाए रखना, सतर्कता कायम रखना और उपलब्धियों को निरंतर बनाए रखना एक बड़ी जिम्मेदारी है।

सुनें सबकी, करें वही जो सही हो–नवनियुक्त पुलिस अधीक्षक मलय जैन को मार्गदर्शन देते हुए डीजीपी मकवाणा ने मूलमंत्र दिया कि सुनें सबकी, करें वही जो सही हो। उन्होंने कहा कि एक अधिकारी को सभी पक्षों की बात धैर्यपूर्वक सुननी चाहिए और तथ्यों एवं नियमों के आधार पर निष्पक्ष निर्णय लेना चाहिए। किसी भी अनुचित दबाव में आए बिना दृढ़ता से सही निर्णय लेना तथा अपनी संवेदनशीलता और सहजता बनाए रखना ही अच्छे पुलिस अधिकारी की पहचान है।

विभिन्न अभियानों और जिम्मेदारियों में रहा अहम योगदान

समारोह के दौरान पुलिस मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने श्री मलय जैन के साथ कार्य करने के अपने संस्मरण साझा किए।



सांसद महेंद्रसिंह सोलंकी ने देश मे कांग्रेस द्वारा फैलाये जा रहे झूठ से अवगत करा कर कांग्रेस की खोली पोल

आष्टा, यश भारत। आज लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ अभियान के अंतर्गत देवास शाजापुर संसदीय क्षेत्र के सांसद महेंद्रसिंह सोलंकी ने विधायक गोपालसिंह इंजीनियर के साथ नगर के प्रबुद्धजनो,व्यापारियों,बुद्धिजीवियों एवं गणमान्य नागरिकों के निवास पर पहुच कर उनके परिजनों से संवाद किया एवं आज देश मे कांग्रेस,सपा, आप सहित अन्य दल जिस तरह झूठ का पहाड़ खड़ा कर देश मे जो अराजकता का,झूठ का माहौल पैदा कर रहे है,जिसके पीछे उनका एक ही उद्देश्य है,देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की छबि को किस तरह खराब की जाये, कैसे भी हो पीएम की कुर्सी मिल जाये । लेकिन आज देश की जनता कांग्रेस के झूठ को जान चुकी है,उसे पहचान चुकी है । सांसद सोलंकी ने आज संजय किराना स्टोर्स के संजय सिंगी,शिक्षक सुदीप जायसवाल,उद्योगपति मनोज जैन सहित अनेकों प्रबुध्दजन के निवास पर पहुच कर परिजनों से संवाद किया और कांग्रेस की जो इन सब के पीछे गंदी सोच है,उद्देश्य है उनसे तथ्यों के साथ अवगत कराया । सांसद श्री सोलंकी ने इस अवसर पर भाजपा संगठन की विचारधारा, संगठन द्वारा संचालित विभिन्न गतिविधियों एवं अभियानों, सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों तथा समसामयिक विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा कर जानकारी दी एवं सकारात्मक संवाद के माध्यम से संवाद एवं विचार-विमर्श किया । इस दौरान रायसिंह मेवाडा,महेंद्रसिंह ठाकुर,सुशील संचेती,उमेश शर्मा, तारा कटारिया,अंजली चौरसिया, अवनीश पिपलौदीया,धर्मेन्द्र ठाकुर,देवजी पटेल, राजीव मालवीय, शिव प्रजापति, राजेश घेंघट, भगवत मेवाडा सहित भाजपा के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।



महानगर बैंक में धन की देवी की पूजा, समृद्धि की कामना

हिरदाराम नगर

महानागरिक सहकारी बैंक, संत हिरदाराम नगर में धनतेरस पर पूजन का आयोजन किया गया। बैंक अध्यक्ष एवं पूर्व अध्यक्ष (मध्य प्रदेश आवास संघ, राज्यमंत्री दर्जा) सुशील वासवानी ने बैंक में माँ लक्ष्मी की पूजा-अर्चना कर ईश्वर से प्रार्थना की और कहा कि बैंक के समस्त ग्राहक एवं अंशधारक सदस्य संपन्न रहें तथा अपने व्यवसाय में निरंतर प्रगतिशील हों। उन्होंने यह भी बताया कि बैंक पिछले 30 वर्षों से प्रतिवर्ष अपने ग्राहकों के लिए लक्ष्मी पूजन कर उनकी समृद्धि की मनोकामना करता है। इस अवसर पर बैंक के मुख्य कार्यपालक प्रकाश आसूदानी, राजेश हिंगोरानी, नरेश वासवानी, नरेंद्र लालवानी, ईश्वर चेलाणी सहित बैंक के तमाम स्टाफ सदस्य, गणमान्य नागरिक एवं ग्राहक उपस्थित रहे।

एसआईआरटी को हराकर एलएनसीटी की महिला टीम लगातार दूसरी बार बनी चैंपियन

आरजीपीवी नोडल वॉलीबॉल प्रतियोगिता

भोपाल, यश भारत।

जेएनसीटी भोपाल द्वारा राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के तत्वावधान में आयोजित आरजीपीवी नोडल वॉलीबॉल महिला प्रतियोगिता 2026-27 में एलएनसीटी की महिला टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया। टीम ने गत वर्ष के अपने दबदबे को कायम रखते हुए लगातार दूसरी बार चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया है।



प्रतियोगिता के सेमीफाइनल मुकाबले में एलएनसीटी ने ओरिएंटल कॉलेज को एकतरफा अंदाज में 25-13 और 25-15 से पराजित कर फाइनल में जगह बनाई। इसके बाद फाइनल में उत्कृष्ट खेल कौशल का प्रदर्शन करते हुए एलएनसीटी की खिलाड़ियों ने एसआईआरटी की टीम को सीधे सेटों में 25-10 और 25-13 से हराकर ट्रॉफी पर कब्जा जमाया।

विजेता टीम में आशी राठौड़, अनुष्का यादव, मानवी यादव, समृद्धि पंवार, भूमि मोटवानी, आशिका गौर, नितिशा छुगानी, प्रज्ञा बाथम, निधि पटवा, रिया सिंह, उदिता सिंह, रेखा पौडेल, श्रेया सिंह राजपूत एवं लक्ष्मी सिंह परिहार शामिल रहीं। टीम के कोच महेश सोधिया के कुशल मार्गदर्शन और रणनीतिक प्रशिक्षण की बदौलत खिलाड़ियों ने यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की।

एलएनसीटी की इस गौरवपूर्ण सफलता पर जेएनसीटी प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति व एलएनसीटी ग्रुप के सचिव डॉ. अनुपम चौकसे, एलएनसीटी के डायरेक्टर डीन एडमिनिस्ट्रेशन डॉ. अशोक राय, प्राचार्य डॉ. बी.के. साहू एवं स्पोर्ट्स डायरेक्टर पंकज कुमार जैन ने विजेता टीम और कोच को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।



सार्थक दीपावली - बेटियों के चेहरे पर मुस्कान, हर घर में खुशियों का उजाला

सेवा बस्ती की बेटियों के साथ मनाई दीपावली

हिरदाराम नगर।

दीपावली एवं धनतेरस पर बेटियों के सम्मान और उनके जीवन में खुशियों का उजाला लाने के संकल्प के साथ 'लक्ष्मी का वरदान है बेटी, धरती पर भगवान है बेटी' संदेश के तहत सेवा बस्ती की नन्हीं बेटियों के बीच दीपावली का पर्व मनाया गया। सेवा बस्ती की बच्चियों को पटाखे, मिठाइयां एवं मिष्ठान वितरित किए गए। इस अवसर पर राकेश कुकरेजा ने कहा कि बेटियां किसी परिवार की खुशियां ही नहीं, बल्कि समाज की शक्ति और राष्ट्र का उज्ज्वल भविष्य हैं। जिस घर में बेटी की मुस्कान गूंजती है, वहां खुशियों के दीपक हमेशा रोशन रहते हैं। बेटियों को सम्मान, स्नेह, सुरक्षा और आगे बढ़ने के समान अवसर देना हम सभी की सामाजिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि दीपावली का वास्तविक आनंद तभी सार्थक होता है, जब हमारी खुशियों में समाज का हर वर्ग शामिल हो और किसी भी बेटी के चेहरे पर मुस्कान लाने का अवसर हमसे न छूटे। कार्यक्रम के माध्यम से समाज को बेटियों के सम्मान, स्नेह और उनके उज्ज्वल भविष्य के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में राजा शर्मा, भगवानदास ढालिया, राजकुमारी डागोर, सुकांति ठकुरिया, लक्ष्मी महाजन, गोवर्धन अहिरवार, जितेन्द्र डागोर, चंदू यादव, अंकित वर्मा, दुर्गेश सहित बड़ी संख्या लोग मौजूद थे।

श्री गुरुकृपा सेवा समिति ने 200 परिवारों को मिठाई वितरित की

हिरदाराम नगर।

श्रीं गुरुकृपा सेवा समिति द्वारा दीपावली पर 200 रिब परिवारों को मिठाई वितरित की गई। पार्षद अशोक मारण पूज्य सिंधी पंचायत के महासचिव राजकुमार वाधवानी कपडा एसोशिएशन के महासचिव दिनेश वाधवानी समाजसेवी राज़ मनवानी श्रीं गुरुकृपा सेवा समिति समिति के अध्यक्ष महेश गुरबानी पूज्य सिंधी पंचायत के कोषाध्यक्ष राकेश शेवानी समिति की उपाध्यक्ष भावना उदासी , मुकेश आहुजा मुकेश उदासी सुमित पंजवानी , प्रकाश विधानी, रवि आसुदानी, कैलाश फुलवानी, लखमीचंद बतरा, महेश जागवानी उपस्थित थे। इस अवसर पर कार्यक्रम की



अध्यक्षता करते हुए समिति के अध्यक्ष महेश गुरबानी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि हमारा सदैव यही प्रयास रहता है कि त्योहारों के समय हर किसी के चहेरे पर एक मुस्कान हो चाहे वह अमिर हो या गरिब आज हमें इस प्रकार की सेवा कार्य करते हुए यह सातवां वर्ष है इस अवसर पर पार्षद अशोक मारण ने कहा की आज नगर में पैसों वालों की कमी नहीं है पर सेवा का भाव नहीं है इसलिए सभी इस प्रकार की सेवा कार्य करते रहना चाहिए यहां पर उपस्थित पूज्य सिंधी पंचायत के महासचिव राजकुमार वाधवानी एवं कपडा एसोशिएशन के महासचिव दिनेश वाधवानी ने समिति की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह हम सबका सौभाग्य है कि हमें इस प्रकार सेवा करने का मौका मिला है यहां पर कार्यक्रम का संचालन पूज्य सिंधी पंचायत के कोषाध्यक्ष राकेश शेवानी ने किया तथा आभार भावना उदासी ने वक्त किया।



33 केवी बिजली पोल से टकराया बिजली विभाग का वाहन, अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त

बनखेड़ी, यशभारत। उमरधा रोड स्थित ग्राम महंगवा में नर्मदा मैरिज गार्डन के पास बीती रात करीब 11:30 बजे बिजली विभाग का एक वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। बताया जा रहा है कि वाहन अनियंत्रित होकर 33 केवी बिजली लाइन के पोल से जा टकराया। हादसे में विभाग में किराए से लगे बुलेरो लोडिंग वाहन का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि, राहत की बात यह है कि फिलहाल किसी प्रकार की जनहानि होने की सूचना नहीं है। देर रात हुए इस हादसे के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है।

बाल निकेतन में जागरूक बचपन, सशक्त भारत' विधिक जागरूकता कार्यक्रम

हिरदाराम नगर.

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण और मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के मार्गदर्शन में बाल निकेतन संस्था में सुरक्षित बचपन अभियान में जागरूक बचपन, सशक्त भारत विषय पर एक विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, भोपाल के अध्यक्ष एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश मनोज कुमार श्रीवास्तव के निर्देशन में हुए इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों को उनके अधिकारों, सुरक्षा, शिक्षा और विधिक संरक्षण से जुड़े कानूनों के प्रति जागरूक करना था।

कार्यक्रम के दौरान जिला न्यायाधीश एवं सचिव हिमांशु कौशल ने बच्चों को



संविधान के अनुच्छेद 21-क और 39-क के तहत सुरक्षित वातावरण, शिक्षा और भयमुक्त जीवन जीने के अधिकार के बारे में बताया तथा किसी भी शोषण या हिंसा की स्थिति में बिना डरे अपनी बात रखने के लिए प्रेरित किया। असिस्टेंट डिफेंस काउंसिल दीपेश ठाकुर ने पॉक्सो अधिनियम, किशोर न्याय अधिनियम, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम और शिक्षा का अधिकार अधिनियम की जानकारी देते हुए अच्छे-बुरे स्पर्श और बच्चों की सुरक्षा से जुड़े कानूनी पहलुओं को सरल भाषा में समझाया।

राजकुमार थवानी ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा मिलने वाली निःशुल्क विधिक सहायता की जानकारी दी और बताया कि धारा 12 के तहत सभी बच्चे इसके पात्र हैं, साथ ही उन्होंने टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 15100 के बारे में भी बताया। आवाज संस्था के कोऑर्डिनेटर नितिन व्यास ने बच्चों को साइबर सुरक्षा, ऑनलाइन धोखाधड़ी, साइबर बुलिंग और इंटरनेट के सुरक्षित उपयोग के प्रति आगाह करते हुए साइबर हेल्पलाइन 1930 और चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 की जानकारी दी।

इस अवसर पर बच्चों के लिए चित्रकला, निबंध, स्लोगन और क्विज जैसी रचनात्मक प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंत में संस्था के प्रमुख हरिओम शर्मा ने सभी अतिथियों और सहभागियों का आभार व्यक्त किया। यह अनूठी पहल बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ाने और एक सुरक्षित व सशक्त बचपन के निर्माण की दिशा में बेहद सार्थक साबित हुई।

डिजिटल दौर में भी फीकी नहीं पड़ी बाजारों की रौनक, धनतेरस पर राजधानी में 500 करोड़ का रिकॉर्ड व्यापार

भोपाल,यशभारत।

त्योहारी खरीदारी के इस दौर में जहां ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफॉर्म्स लगातार छूट और लुभावने ऑफर दे रहे हैं, वहीं भोपाल के स्थानीय व्यापारियों ने धनतेरस पर साबित कर दिया कि असली भरोसा और रौनक शहर के अपने बाजारों में ही है। राजधानीवासियों ने ऑनलाइन क्लिक के बजाय शहर के सराफा, ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स और बर्तन बाजारों में खुद पहुंचकर खरीदारी करने को प्राथमिकता दी। व्यापारिक प्रतिनिधियों के अनुसार, धनतेरस के दिन भोपाल के प्रमुख सेक्टरों में ?500 करोड़ से भी अधिक का कुल कारोबार दर्ज किया गया।



परंपरागत खरीदारी की चमक, सराफा में ?250 करोड़ तक का कारोबार-ग्राहकों के इस जबरदस्त रुख से स्थानीय व्यापारी गदगद हैं। सराफा व्यापारी पदाधिकारियों के अनुसार, सोने-चांदी के दामों में उतार-चढ़ाव के बावजूद लोगों ने शगुन के सिक्के, आभूषण और कीमती धातुओं की खरीदारी दिल खोलकर की, जिससे अकेले सराफा बाजार ?200 से ?250 करोड़ का कारोबार कर गया।

ऑटोमोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक्स में दिखा जबरदस्त उत्साह-वाहन डिलीवरी के लिए शोरूम्स पर सुबह से देर रात तक मेले जैसा माहौल रहा। धनतेरस के शुभ मुहूर्त पर करीब 500 कारें और 2,000 दोपहिया वाहन बिके, जिससे ऑटोमोबाइल सेक्टर में ?120 से ?140 करोड़ का लेन-देन हुआ। वहीं, टीवी, फ्रिज और अन्य होम अप्लायंसेज के इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार में ?40 से ?45 करोड़ की बिक्री हुई।

बर्तन, मिठाई और सजावटी सामान की भी जमकर बिक्री

किचन के बर्तनों और क्रॉकरी दुकानों पर गृहणियों की भारी भीड़ रही। बर्तन बाजार में ?10 से ?20 करोड़ और क्रॉकरी में ?3 से ?5 करोड़ का व्यापार हुआ। इसके साथ ही, सजावटी तोरण व लाइटिंग में लगभग ?30 करोड़ और मिष्ठान कारोबार में ?10 से ?15 करोड़ की बिक्री हुई। कैट के प्रतिनिधियों का कहना है कि धनतेरस पर स्थानीय दुकानों की इस बंपर बिक्री ने यह साबित कर दिया है कि त्योहारों का असली आनंद और भरोसा शहर की भौतिक दुकानों से खरीदारी करने में ही है।



घरों में नहीं, धरना स्थल पर जलाए उम्मीद के दीप! चयनित शिक्षकों की डीपीआई के सामने मनी दिवाली

भोपाल यश भारत।

दीपावली का पर्व जहां लोग अपने परिवारों के साथ खुशियां मना रहे थे, वहीं चयनित प्राथमिक शिक्षक वर्ग-3 के अभ्यर्थियों ने डीपीआई कार्यालय के सामने धरना स्थल पर ही दीप जलाकर दिवाली मनाई। नियुक्ति की राह देख रहे इन अभ्यर्थियों ने अपने आंदोलन स्थल को ही दीपों से रोशन किया और सरकार तक अपनी मांग पहुंचाने का प्रयास किया। अभ्यर्थियों का कहना है कि उन्होंने भर्ती प्रक्रिया से जुड़ी सभी आवश्यक योग्यताएं पूरी कर ली हैं, इसके बावजूद अब तक नियुक्ति पत्र जारी नहीं किए गए हैं। उनका कहना है कि नियम क्रमांक 49 के प्रावधानों का पालन करते हुए उन्हें नियुक्ति दी जानी चाहिए। अभ्यर्थियों ने कहा कि नियुक्ति मिलने के बाद ही उनकी दीपावली की खुशियां पूरी होंगी। उन्होंने शासन और विभागीय अधिकारियों से जल्द नियुक्ति पत्र जारी करने की मांग की।



संसदीय विद्यापीठ में संविधान, विधायी प्रक्रिया और बजट निर्माण की बारीकियां सीखीं

ओरिएंटल कॉलेज के एमबीए विद्यार्थियों ने किया विधानसभा का शैक्षणिक भ्रमण

भोपाल,यश भारत।

ओरिएंटल कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट के एमबीए प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने 2 और 3 नवंबर 2026 को मध्यप्रदेश विधानसभा एवं पंडित कुंजीलाल दुबे राष्ट्रीय संसदीय विद्यापीठ का शैक्षणिक भ्रमण किया।

इस दौरान 2 नवंबर को संसदीय विद्यापीठ में विद्यार्थियों के लिए विभिन्न शैक्षणिक सत्र आयोजित किए गए। विशेषज्ञ वक्ताओं ने संविधान निर्माण विधानसभा की कार्यप्रणाली सदन की कार्यवाही विधानसभा प्रश्नों का महत्व विधेयक पारित करने की प्रक्रिया कानून निर्माण और वार्षिक बजट तैयार करने की जानकारी दी।

इसके बाद 3 नवंबर को विद्यार्थियों ने मध्यप्रदेश विधानसभा का भ्रमण कर संसदीय व्यवस्था को करीब से समझा। इस शैक्षणिक पहल का उद्देश्य युवाओं में लोकतांत्रिक संस्थाओं और संसदीय प्रक्रियाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। संसदीय पद्धति एवं प्रक्रिया प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा करने वाले सभी विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए।

विधानसभा का शीतकालीन सत्र पांच दिन का रखने पर उमंग सिंघार ने उठाए सवाल

भोपाल,यश भारत। मध्यप्रदेश विधानसभा के आगामी शीतकालीन सत्र को पांच दिन का रखने पर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में समस्याओं का अंबार है, लेकिन सरकार विधानसभा में चर्चा के लिए पर्याप्त समय नहीं दे रही है। सिंघार ने कहा कि इससे पहले मानसून सत्र भी पांच दिन के लिए बुलाया गया था लेकिन उसे तीन दिन में ही समाप्त कर दिया गया। उन्होंने बालाघाट में बच्चों की मौत सागर और देवास में जहरीली शराब से हुई मौतों



किसानों की बदहाली बेरोजगारी महिला सुरक्षा आदिवासी अधिकार शिक्षा, स्वास्थ्य और प्रदेश पर बढ़ते कर्ज जैसे मुद्दे उठाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश की 230 विधानसभा सीटों से चुने गए विधायक सात करोड़ से अधिक लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं। ऐसे में जनहित के मुद्दों पर चर्चा के लिए सत्र की अवधि बढ़ाई जानी चाहिए। सिंघार ने कहा कि कांग्रेस विधायक दल सदन में जनता से जुड़े सभी महत्वपूर्ण मुद्दे मजबूती से उठाएगा और सरकार से जवाब मांगेगा।

प्रदेश में 9 नवंबर को मनेगा गोवर्धन पर्व, भोपाल में होगा राज्य स्तरीय समारोह

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे पशुपालकों का सम्मान, 5.51 लाख निराश्रित गोवंश के भरण-पोषण के लिए 60 करोड़ से अधिक की राशि होगी जारी

भोपाल,यश भारत ।

मध्यप्रदेश में 9 नवंबर को प्रदेशव्यापी गोवर्धन पूजन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसके तहत प्रदेश की तीन हजार से अधिक गौशालाओं में गोवर्धन पूजा, गोवंश संरक्षण और पशुपालक सम्मान के कार्यक्रम होंगे।

मुख्य राज्य स्तरीय समारोह भोपाल के रवींद्र भवन में आयोजित किया जाएगा जिसमें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शामिल होंगे। संस्कृति विभाग एवं पशुपालन तथा डेयरी विभाग के सहयोग से आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री गोपाल-कृष्ण ग्राम पुरस्कार योजना के विजेता पशुपालकों को पुरस्कार राशि वितरित करेंगे।

इस दौरान प्रदेश की तीन हजार से अधिक पंजीकृत गौशालाओं में संरक्षित 5 लाख 51 हजार निराश्रित गोवंश के



भरण-पोषण के लिए 60 करोड़ रुपये से अधिक की राशि अंतरित की जाएगी। श्रीकृष्ण पाथेय न्यास के मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्रीराम तिवारी ने बताया कि सरकार गौवंश संरक्षण और संवर्धन के लिए गौशालाओं को प्रति गोवंश प्रतिदिन 40 रुपये अनुदान दे रही है। आयोजन का उद्देश्य गौसेवा और पशुपालन के प्रति जनभागीदारी बढ़ाना है।



एम्स भोपाल में राष्ट्रीय ऑटोप्सी क्विज में रीवा की टीम ने मारी बाजी

भोपाल,यश भारत। एम्स भोपाल के फॉरेंसिक मेडिसिन एवं टॉक्सिकोलॉजी विभाग द्वारा 8वीं राष्ट्रीय ऑटोप्सी क्विज फोरेंस का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में देशभर के मेडिकल कॉलेजों के एमबीबीएस विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। दस राउंड की कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद श्याम शाह शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयय रीवा की टीम विजेता बनी, जबकि एम्स भोपाल की टीम उपविजेता रही। वर्ष 2015 में शुरू हुई यह प्रतियोगिता विद्यार्थियों को फॉरेंसिक मेडिसिन एवं टॉक्सिकोलॉजी के व्यावहारिक और चिकित्सकीय ज्ञान से जोड़ने का मंच प्रदान कर रही है। एम्स के कार्यपालक निदेशक लेफ्टिनेंट जनरल (डॉ.) नरेंद्र कोतवाल ने आयोजन की सराहना की। कार्यक्रम में विशेषज्ञ डॉ. डीके सत्पथी ने फॉरेंसिक मेडिसिन की चिकित्सा क्षेत्र में उपयोगिता पर व्याख्यान दिया।

जागरूक बचपन से बनेगा सशक्त भारत, बच्चों को बताए विधिक अधिकार

भोपाल ,यश भारत। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के मार्गदर्शन में सुरक्षित बचपन अभियान के तहत बाल निकेतन संस्था में जागरूक बचपन सशक्त भारत विषय पर विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं जिला न्यायाधीश हिमांशु कौशल ने बच्चों को शिक्षा सुरक्षा सम्मान और भयमुक्त जीवन के अधिकारों की जानकारी दी। उन्होंने बच्चों को किसी भी प्रकार के शोषण या हिंसा के विरुद्ध आवाज उठाने के लिए प्रेरित किया। असिस्टेंट डिफेंस काउंसिल दीपेश ठाकुर ने पास्को एक्ट किशोर न्याय अधिनियम बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम और शिक्षा के अधिकार कानून की जानकारी दी। राजकुमार थवानी ने निःशुल्क विधिक सहायता तथा हेल्पलाइन 15100 के बारे में बताया। आवाज संस्था के कोऑर्डिनेटर नितिन व्यास ने साइबर अपराध, ऑनलाइन धोखाधड़ी और साइबर बुलिंग से बचाव के उपाय बताए। साथ ही हेल्पलाइन 1930 और चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 की जानकारी दी।

डॉ. निशांत खरे बने भाजपा के प्रदेश कार्यालय प्रभारी

भोपाल , यश भारत। भारतीय जनता पार्टी के मध्यप्रदेश संगठन में महत्वपूर्ण नियुक्ति करते हुए प्रदेश अध्यक्ष एवं बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल ने डॉ. निशांत खरे को भाजपा का प्रदेश कार्यालय प्रभारी नियुक्त किया है। इस संबंध में प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने 6 नवंबर 2026 को आधिकारिक आदेश जारी किया। जारी नियुक्ति आदेश के अनुसार, डॉ. निशांत खरे जो वर्तमान में भाजपा मध्यप्रदेश के प्रदेश उपाध्यक्ष हैं, उन्हें प्रदेश कार्यालय प्रभारी का दायित्व सौंपा गया है। उनकी नियुक्ति को प्रदेश संगठन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के रूप में देखा जा रहा है। प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल द्वारा जारी आदेश की प्रतिलिपि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) बी.एल. संतोष राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश प्रदेश प्रभारी बिप्लब कुमार देब प्रदेश सह प्रभारी रेखा वर्मा सहित पार्टी के वरिष्ठ राष्ट्रीय एवं प्रदेश पदाधिकारियों को भी भेजी गई है। इसके अलावा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं प्रदेश महामंत्री चंद्रशेखर को भी इसकी जानकारी दी गई है। इस नियुक्ति के साथ डॉ. निशांत खरे को प्रदेश भाजपा कार्यालय के संचालन एवं संगठनात्मक समन्वय से जुड़ी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभानी होगी।



मप्र के 12 लाख कर्मचारियों-पेंशनर्स को डीए डीआर एरियर का इंतजार, भुगतान प्रक्रिया शुरू

आईएफएमआईएस विंडो खुली 2% महंगाई भत्ते का एरियर तीन किस्तों में मिलेगा, नवंबर से जनवरी तक होगा भुगतान

भोपाल,यश भारत। मध्यप्रदेश के करीब 12 लाख सरकारी कर्मचारियों और पेंशनर्स के लिए महंगाई भत्ते और महंगाई राहत के एरियर भुगतान की प्रक्रिया शुरू हो गई है। वित्त विभाग ने इसके लिए आईएफएमआईएस पोर्टल की विंडो खोल दी है। अब संबंधित विभाग भुगतान के बिल तैयार कर कोषालय में प्रस्तुत कर सकेंगे। आयुक्त कोष एवं लेखा ने सभी विभागाध्यक्षों संभागीय संयुक्त संचालकों और कोषालय अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश जारी किए हैं। हालांकि कर्मचारियों और पेंशनर्स को दीपावली पर एरियर की राशि नहीं मिल सकेगी। शासन के आदेश के अनुसार कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 1 जनवरी 2026 से 58 प्रतिशत से बढ़ाकर 60 प्रतिशत किया गया है। यानी 2 प्रतिशत की वृद्धि का लाभ मिलेगा। जनवरी से सितंबर 2026 तक नौ महीने के एरियर का भुगतान तीन समान किस्तों में किया जाएगा। पहली किस्त नवंबर 2026 दूसरी दिसंबर 2026 और तीसरी जनवरी 2027 में जारी होगी। IFMIS प्रक्रिया शुरू होने से कर्मचारियों को भुगतान की उम्मीद बढ़ी है।

प्रभात पेट्रोल पंप के पास खुला नाला बना हादसों का खतरा

एक माह से अधिक समय से क्षतिग्रस्त नाला, बाहर निकली सरिया से राहगीरों की जान को खतरा

भोपाल,यश भारत।

राजधानी के वार्ड क्रमांक 69 में प्रभात पेट्रोल पंप के पास क्षतिग्रस्त नाला राहगीरों और वाहन चालकों के लिए खतरे का कारण बना हुआ है। नाले को क्षतिग्रस्त हुए एक महीने से अधिक समय बीत चुका है लेकिन नगर निगम की ओर से अब तक मरम्मत नहीं कराई गई है। नाले से बाहर निकली लोहे की सरिया कभी भी किसी बड़े हादसे की वजह बन सकती है। खासकर रात के समय अंधेरा होने के कारण यह दिखाई नहीं देती जिससे पैदल राहगीरों और वाहन चालकों के दुर्घटनाग्रस्त होने की आशंका बनी हुई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार समस्या की गंभीरता के बावजूद जिम्मेदारों का ध्यान इस ओर नहीं गया है। लोगों ने नगर निगम से तत्काल नाले की मरम्मत कराने और बाहर निकली सरिया हटाने की मांग की है ताकि किसी अप्रिय घटना से पहले समस्या का समाधान हो सके।



विधायक रामेश्वर शर्मा ने ग्रामीणों को सौंपे मालिकाना हक के दस्तावेज, बोले- गरीब कल्याण में नहीं किया जाता भेदभाव

कोटरा गांव में स्वामित्व योजना के तहत शत-प्रतिशत रजिस्ट्री पूरी

भोपाल,यश भारत।

हुजूर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम कोटरा में स्वामित्व योजना के तहत शत-प्रतिशत पट्टों की रजिस्ट्री का कार्य पूरा हो गया है। धनतेरस एवं दीपावली के अवसर पर शुक्रवार को विधायक रामेश्वर शर्मा ने गांव पहुंचकर पात्र हितग्राहियों को रजिस्ट्री के दस्तावेज वितरित किए। इस अवसर पर विधायक शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति आभार जताते हुए कहा कि स्वामित्व योजना गरीबों को स्थायी मालिकाना हक देने की महत्वपूर्ण



पहल है। रजिस्ट्री होने से ग्रामीण अब अपनी संपत्ति पर बैंक से ऋण लेने के साथ वैध रूप से क्रय-विक्रय भी कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार गरीब कल्याण में कभी भेदभाव नहीं करती। अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना प्राथमिकता है। इसमें भाजपा कांग्रेस का भेद नहीं किया जाता। विधायक ने रजिस्ट्री कार्य समय पर पूरा करने के लिए एसडीएम तहसीलदार राजस्व निरीक्षक और पटवारियों सहित पूरे राजस्व अमले की सराहना की।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) बुदनी, जिला सीहोर मप्र
क्रमांक/1488/रीडर/2026
बुधनी, दिनांक 04/11/2026
प्र.क्र.0078/अपील/2026/27
पेशी दिनांक- 19.11.2026

// सूचना पत्र //

प्रेषती हरलाल आ.परसलाल जाति धाकड़ निवासी ग्राम माथनी तहसील रेहटी जिला सीहोर (मप्र)

एतद् द्वारा इस सूचना पत्र से आपको सूचित किया जाता है कि इस न्यायालय में प्रकरण क्रमांक 0078/अपील/2026/27 ग्राम पानगुराड़िया प्रचलित है जिसमें आप आवश्यक पक्षकार हैं।

अतः आप समय 10:00 से 06:00 बजे तक पेशी दिनांक 19.11.2026 को स्वयं उपस्थित होकर या अपने प्रतिनिधि अधिवक्ता के माध्यम से पक्ष समर्थन रख सकते हैं। आपकी अनुपस्थिति में एकपक्षीय कार्यवाही कर आदेश पारित कर दिये जायेंगे। आज दिनांक 04.11.2026 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालयीन पद मुद्रा से जारी किया गया है।

अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) बुधनी

संपादकीय

तमसो मा ज्योतिर्गमय

दीपावली केवल दीप जलाने, घरों को सजाने और खुशियां बांटने का पर्व नहीं है। यह अंधकार से प्रकाश की ओर, निराशा से आशा की ओर और अज्ञान से ज्ञान की ओर बढ़ने का जीवन-दर्शन है। उपनिषदों का कालजयी मंत्र 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' अर्थात हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले चलो, दीपावली की मूल भावना को अभिव्यक्त करता है। यह प्रकाश केवल घरों और रास्तों को रोशन करने तक सीमित नहीं है, अपितु मनुष्य के विचारों, विवेक, चेतना और कर्मों को भी प्रकाशित करने का संदेश देता है। आज न केवल भारत बल्कि संपूर्ण विश्व अनेक चुनौतियों से जूझ रहा है। कहीं आर्थिक और सामाजिक असमानता है तो कहीं गरीबी और स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव। आतंकवाद, युद्ध, हिंसा और आपसी वैमनस्य ने मानव जीवन की शांति को प्रभावित किया है। प्राकृतिक आपदाएं, जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण और नई-नई बीमारियां मानव सभ्यता के सामने गंभीर प्रश्न खड़े कर रही हैं। विज्ञान और तकनीक में अभूतपूर्व प्रगति के बावजूद यदि मनुष्य सुरक्षित व शांतिपूर्ण जीवन नहीं जी पा रहा है तो हमें विकास की हमारी परिभाषा पर विचार करना होगा। दीपावली का वास्तविक प्रकाश तभी सार्थक होगा, जब समाज का अंतिम व्यक्ति भी उसके उजाले का अनुभव कर सके। किसी घर में दीपों की कतार हो और उसी समाज में कोई व्यक्ति भूखा सोए, कोई इलाज के अभाव में दम तोड़े, कोई बच्चा शिक्षा से वंचित रहे या कोई परिवार भय और असुरक्षा में जीवन बिताए तो हमारी उत्सवधर्मिता अधूरी रह जाती है। सच्ची दीपावली वह है, जिसमें संपन्न व्यक्ति जरूरतमंद का सहारा बने, सक्षम व्यक्ति वंचितों को अवसर दे और समाज का प्रत्येक वर्ग एक-दूसरे की खुशियों में सहभागी बने। इस शुभ पर्व पर आत्मावलोकन की भावना को भी समझना होगा। आत्मावलोकन हमें अपने भीतर झांकने, अपनी कमियों को सुधारने और व्यवहार का मूल्यांकन करने की प्रेरणा देता है। वहीं अनुसंधान हमें समस्याओं के मूल कारणों तक पहुंचकर समाधान खोजने की दिशा दिखाता है। हर प्रकार के संकट से निपटने के लिए मानवीय संवेदना आवश्यक है। हमें अपने भीतर भी प्रकाश खोजना है और ज्ञान-विज्ञान के माध्यम से सतत शोध करते हुए बाहरी दुनिया के अज्ञानरूपी अंधकार को भी दूर करना है। किसी भी राष्ट्र की प्रगति केवल आर्थिक आंकड़ों, बड़ी इमारतों और आधुनिक सुविधाओं से नहीं मापी जा सकती। उसकी वास्तविक पहचान नागरिकों के स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा, समान अवसर और सामाजिक सद्भाव से होती है। इसके लिए सरकार, सामाजिक संस्थाओं, उद्योग जगत और आम नागरिकों को मिलकर जिम्मेदारी निभानी होगी। विश्व शांति की स्थापना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। इतिहास की कटु स्मृतियों और प्रतिशोध की भावना में उलझे रहने से भविष्य का निर्माण नहीं हो सकता। अतीत से सबक लेकर ऐसी दुनिया बनानी होगी, जहां संवाद को संघर्ष पर, सहयोग को वैमनस्य पर और मानवता को संकीर्ण स्वार्थों पर प्राथमिकता मिले। आतंकवाद और हिंसा के विरुद्ध अंतरराष्ट्रीय एकजुटता आवश्यक है। भारत की प्राचीन अवधारणा 'वसुधैव कुटुम्बकम्' इसी वैश्विक चेतना का आधार है। पूरी पृथ्वी एक परिवार है तो उसकी समस्याएं भी हम सबकी साझा जिम्मेदारी हैं। किसी एक देश की पीड़ा से विश्व अछूता नहीं रह सकता। इसलिए शांति, सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और मानव कल्याण के लिए राष्ट्रों को एक-दूसरे का सहयोगी बनना होगा। आइए, इस दीपावली पर हम केवल अपने घरों में दीप न जलाएं, अपने हृदय और समाज में भी प्रकाश फैलाएं। किसी निराश व्यक्ति के जीवन में आशा का दीप जलाएं, किसी जरूरतमंद की सहायता करें, किसी बीमार को उपचार में सहयोग दें और किसी भटके हुए मन को सद्भाव का रास्ता दिखाएं। अपने भीतर ज्ञान की ज्योति और समाज में समरसता की मशाल प्रज्वलित करें। हमारी कामना है कि 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' का संदेश मुंबई से महाराष्ट्र, भारत से लेकर संपूर्ण विश्व तक पहुंचे। मानवता सुरक्षित रहे, हर व्यक्ति को उन्नति का समान अवसर मिले और धरती पर प्रेम, शांति तथा सह-अस्तित्व की ज्योति सदैव प्रज्वलित रहे। यही दीपावली की सच्ची सार्थकता और विश्व शांति के लिए हमारा सामूहिक संकल्प होना चाहिए।

कड़वे वचन



तू बात बात में मुहुर्त मुहुर्त की बात करता है? अरे ये मुहूर्त मुहूर्त क्या होता है? जो काम जिस वक्त कर लो वही मुहूर्त है। रामचंद के राज्याभिषेक का बढ़िया मुहूर्त निकाला गया था पर अगले दिन क्या हुआ? सब मुहूर्त धरा का धरा रह गया। आपको पता है न जन्म का कोई मुहूर्त नहीं होता है और न मृत्यु का कोई मुहूर्त होता है फिर ये बीच के जीवन में मुहूर्त का चक्कर क्यों?

आज का राशिफल



ज्योतिषाचार्य पंडित लोकेश व्यास

पंचांगः-7 नवम्बर, 2026
दिन-शनिवार, अश्विन शुक्ल 10
विक्रम संवत 2083

मेष
बातचीत करते समय अभद्र भाषा का प्रयोग न करें। इससे संबंध खराब हो सकते हैं।

वृष
व्यवसायिक गतिविधियां मध्यम रहेंगी। ये समय धैर्य और शांति से व्यतीत करने का है।

मिथुन
दिन उत्साह भर रहेगा आपकी योजना से सभी कार्य सुचारू रूप से होते जाएंगे

कर्क
अपनी महत्वपूर्ण बात सार्वजनिक न करें। अजनबियों से सावधान रहे

सिंह
आयुर्वेदिक चीजों का इस्तेमाल करें। स्वास्थ्य के लिए ठीक रहेगा उत्तम दिनचर्या रखें।

कन्या
सकारात्मक प्रवृत्ति के लोगों से मेलजोल बढ़ेगा जो आपके लिए फायदेमंद ही साबित होंगे।

तुला
साझेदारी संबंधी व्यवसाय में पारदर्शिता रखें। नौकरी पेशा लोगों को कोई अथॉरिटी मिल सकती है।

वृश्चिक
घर के वातावरण को सुखी बनाए रखने की कोशिश करें खांसी, जुकाम आदि से बचे

धनु
रुपए-पैसे संबंधी लेनदेन को लेकर किसी से वाद-विवाद होने की आशंका है

मकर
व्यवसाय में किसी नए कार्य की शुरुआत हो सकती है दिन खुशनुमा होगा

कुंभ
धार्मिक स्थल पर समय व्यतीत करने से सुकून मिलेगा। कोई भूमि संबंधी खरीद-फरोख्त का कार्य हो सकता है।

मीन
घर में किसी संबंधी के आगमन से आपके महत्वपूर्ण कार्य रुक सकते हैं। धैर्य से कार्य करें

नरक से मुक्ति और अकाल मृत्यु से रक्षा का पर्व है नरक चतुर्दशी

(नरक चतुर्दशी (छोटी दीवाली) पर विशेष)



कार्तिक कृष्ण पक्ष में मनाए जाने वाले पांच दिवसीय दीपोत्सव का दूसरा पर्व नरक चतुर्दशी है, जिसे छोटी दीपावली, रूप चतुर्दशी और काली चौदस के नाम से भी जाना जाता है। धनतेरस के अगले दिन मनाया जाने वाला यह पर्व धार्मिक आस्था, पौराणिक मान्यताओं और आध्यात्मिक संदेशों का अनूठा संगम है। 'नरक चतुर्दशी' नाम से ही स्पष्ट होता है कि इसका संबंध मृत्यु के देवता यमराज और नरक से मुक्ति की मान्यता से जुड़ा है। धार्मिक विश्वास है कि इस दिन यमराज की पूजा, व्रत और दीपदान करने से अकाल मृत्यु का भय दूर होता है तथा मनुष्य को नरक की यातनाओं से मुक्ति मिलती है। यह पर्व बुराई पर अच्छाई, अत्याचार पर न्याय और अंधकार पर प्रकाश की विजय का प्रतीक है। इस पर्व पर अभ्यंग स्नान का विशेष महत्व है। मान्यता है कि सूर्योदय से पूर्व शरीर पर तिल का तेल लगाकर उबटन करने और स्नान करने से रूप, सौंदर्य तथा आरोग्य की प्राप्ति होती है। इसी कारण इसे रूप चतुर्दशी भी कहा जाता है। इस दिन घरों की साफ-सफाई, दीप प्रज्वलन, हनुमान जी की पूजा और यमराज के निमित्त दीपदान करने की परंपरा भी प्रचलित है। विशेष रूप से घर के बाहर दक्षिण दिशा में दीपक जलाकर यमराज से परिवार की सुख-समृद्धि और दीर्घायु की कामना की जाती है।

इस वर्ष चतुर्दशी तिथि दो दिन रहने के कारण पर्व की तिथि को लेकर असमंजस की स्थिति है। कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी 7 नवंबर को सुबह 10 बजकर 47 मिनट से प्रारंभ होकर 8 नवंबर को सुबह 11 बजकर 27 मिनट तक रहेगी। प्रदोष काल में चतुर्दशी तिथि होने के कारण यम दीपदान, हनुमान पूजा और काली चौदस की पूजा 7 नवंबर को की जाएगी जबकि उदयातिथि के अनुसार 8 नवंबर की सुबह अभ्यंग स्नान होगा। नरक चतुर्दशी केवल धार्मिक कर्मकांड का पर्व नहीं है बल्कि जीवन से नकारात्मकता, अहंकार और बुराइयों को दूर कर सदुणों का प्रकाश फैलाने की प्रेरणा भी देता है। इसका संदेश है कि जिस प्रकार दीपक अंधकार को मिटाता है, उसी प्रकार सदाचार, विवेक और सकारात्मकता मनुष्य के जीवन से अज्ञान तथा विकारों के अंधकार को दूर कर सकते हैं।

'नरक चतुर्दशी' पर्व को 'नरक चौदस', 'रूप चतुर्दशी', 'काल चतुर्दशी' तथा 'छोटी दीवाली' के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन मृत्यु के देवता यमराज और धर्मराज चित्रगुप्त का पूजन किया जाता है और यमराज से प्रार्थना की जाती है कि उनकी कृपा से हमें नरक के भय से मुक्ति मिले। इसी दिन रामभक्त हनुमान का भी जन्म हुआ था और इसी दिन वामन अवतार में भगवान विष्णु ने राजा बलि से तीन पग भूमि दान में मांगते हुए तीनों लोकों सहित बलि के शरीर को भी अपने तीन पगों में नाप लिया था। हनुमान जयंती वैसे तो चैत्र मास की पूर्णिमा को मनाई जाती है, लेकिन उत्तर भारत के कई भागों में यह दीवाली से एक दिन पहले भी मनाई जाती है। यम को मृत्यु का देवता और संयम के अधिष्ठाता देव माना गया है। नरक चतुर्दशी के दिन सूर्योदय से पहले उठकर स्नान करना शुभ माना गया है और सायंकाल के समय यम के लिए दीपदान किया जाता है। आशय यही है कि संयम-नियम से रहने वालों को मृत्यु से जरा भी भयभीत नहीं होना चाहिए। इस दिन सूर्योदय से पहले स्नान करने का आशय ही आलस्य का त्याग करने से है और इसका सीधा संदेश यही है कि संयम और नियम से रहने से उनका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा और उनकी अपनी साधना ही उनकी रक्षा करेगी।

नरक चतुर्दशी के साथ भगवान श्रीकृष्ण द्वारा नरकासुर के वध की पौराणिक कथा भी जुड़ी हुई है। नरक चतुर्दशी मनाए जाने के संबंध में मान्यता है कि भगवान श्रीकृष्ण ने इसी दिन प्रागज्योतिषपुर के राजा 'नरकासुर' नामक अधर्मी राक्षस का वध किया था और ऐसा करके उन्होंने न केवल पृथ्वीवासियों को बल्कि देवताओं को भी उसके अत्याचारों से मुक्ति दिलाई थी। उसके आतंक से पृथ्वी के समस्त शूरवीर और सम्राट भी थर-थर कांपते थे। अपनी शक्ति के घमंड में चूर नरकासुर शक्ति का दुरूपयोग करते हुए स्त्रियों पर भी अत्याचार करता था। उसने 16000 मानव, देव एवं गंधर्व कन्याओं को बंदी बना रखा था। देवों और ऋषि-मुनियों के अनुरोध पर भगवान श्रीकृष्ण ने सत्यभामा के सहयोग से नरकासुर का संहार किया था और उसके बंदीगृह से 16000 कन्याओं को मुक्ति दिलाई थी। नरकासुर से मुक्ति पाने की खुशी में देवगण व पृथ्वीवासी बहुत आनंदित हुए और उन्होंने यह पर्व मनाया गया। माना जाता है कि तभी से इस पर्व को मनाए जाने की परम्परा शुरू हुई।

धनतेरस, नरक चतुर्दशी तथा दीवाली के दिन दीपक जलाए जाने के संबंध में एक मान्यता यह भी है कि इन दिनों में वामन भगवान ने अपने तीन पगों में सम्पूर्ण पृथ्वी, पाताल लोक, ब्रह्माण्ड व महादानवीर दैत्यराज बलि के शरीर को नाप लिया था और इन तीन पगों की महत्ता के कारण ही लोग यम यातना से मुक्ति पाने के उद्देश्य से तीन दिनों तक दीपक जलाते हैं तथा सुख, समृद्धि एवं ऐश्वर्य की प्राप्ति हेतु मां लक्ष्मी का पूजन करते हैं। यह भी कहा जाता है कि बलि की दानवीरता से प्रभावित होकर भगवान विष्णु ने बाद में पाताल लोक का शासन बलि को ही सौंपते हुए उसे आशीर्वाद दिया था कि उसकी याद में पृथ्वीवासी लगातार तीन दिन तक हर वर्ष उनके लिए दीपदान करेंगे। नरक चतुर्दशी का संबंध स्वच्छता से भी है। इस दिन लोग अपने घरों का कूड़ा-कचरा बाहर निकालते हैं। इसके अलावा यह भी मान्यता है कि इस दिन प्रातःकाल सूर्योदय से पूर्व तेल एवं उबटन लगाकर स्नान करने से पुण्य मिलता है।

(लेखक- योगेश कुमार गोयल)

नवजातों को मोबाइल की लत बहुत गलत?



नवजात को मोबाइल मत दीजिये, यह बहुत घातक है। मोबाइल की लत बहुत गलत है। आज का सबसे बड़ा तमाशा देखिए। बच्चा पैदा होते ही रोया भी नहीं कि उसकी फोटो खिंच गई। एक सेकंड में व्हाट्सएप पर, फेसबुक पर, इंस्टाग्राम पर। अस्पताल के बेड से ही स्टेटस लग गया - हमारे घर लक्ष्मी आई, हमारे घर गणेश आया। हमने सोचा हमने प्यार बांटा, पर हमने जन्म लेते ही नवजात को मोबाइल की घातक किरणों के सामने खड़ा कर दिया। जिस बच्चे को मां की गोद की गर्मी और मां का आंचल चाहिए था, उसे सबसे पहले कैमरे का फ्लैश और स्क्रीन की नीली रोशनी दे दी।

और यहीं से लत की शुरुआत हो जाती है। हम खुद ही उसके जीवन की पहली लत के सौदागर बन जाते हैं।

आज हर घर में यही है। 6 महीने का बच्चा गोद में है, हाथ में मोबाइल है। बच्चा रोया, मोबाइल। खाना नहीं खाया, मोबाइल। मां को रसोई का काम करना है, मोबाइल। पिता थक गए हैं, मोबाइल। हम समझते हैं बच्चा संभल गया, पर सच यह है कि हमने कच्ची मिट्टी जैसे बच्चे को घातक किरणों के हवाले कर दिया है। यह संभलना नहीं है, यह जड़ होना है।

मोबाइल स्क्रीन से निकलने वाली घातक किरणें सीधे उसकी नाजुक आंखों पर वार करती हैं। उसकी आंखें अभी बन रही हैं, परदे बहुत कोमल हैं। यह तेज नीली रोशनी उसकी आंखों के परदे को जला रही है। आंखों की मांसपेशियां कमजोर हो रही हैं। तभी तो आज 2-2 साल के बच्चों को मोटा चश्मा लग रहा है। डॉक्टर के क्लिनिक में बच्चों की लाइन लगी है। पहले बच्चे मोतियाबिंद बुढ़ापे में सुनते थे, आज बच्चे बचपन में ही आंखों की बीमारी के शिकार हो रहे हैं। यही किरणें उसकी नींद छीन लेती हैं। मोबाइल की रोशनी दिमाग को दिन-रात का फर्क भूलवा देती है। मेलाटोनिन हार्मोन बनना बंद हो जाता है। बच्चा रात भर जागता है, दिन भर चिड़चिड़ा रहता है, रोता रहता है और मां-बाप समझ ही नहीं पाते कि बच्चा क्यों रो रहा है।

सबसे बड़ा घात उसके दिमाग और बोलने पर हो रहा है। जिस उम्र में उसे मां की लोरी, पिता की आवाज, दादी की कहानी, नानी की थाप सुननी चाहिए, उस उम्र में वह मोबाइल के तेज रंग और तेज शोर में कैद है। वह देखता नहीं, सम्मोहित होता है। कार्टून तेजी से भागते हैं, आवाजें चीखती हैं, उसका छोटा दिमाग उस रफ्तार को पकड़ नहीं पाता। इसीलिए वह चुप हो जाता है और हम मूर्खों की तरह खुश होते हैं कि देखो, हमारा बच्चा कितना समझदार है, बिना रोये मोबाइल देख रहा है। पर यह समझदारी नहीं, जड़ता है। यह शांत होना नहीं, सन्न होना है। इसका सीधा नतीजा है कि बच्चे देर से बोल रहे हैं। 3 साल का बच्चा है पर मां नहीं बोल पाता। लोगों से घुल-मिल नहीं रहे, आंख से आंख नहीं मिलाते, अकेले बैठे रहते हैं, छोटी बात पर जमीन पर लोट-लोट कर भड़क जाते हैं। बड़े-बड़े बाल रोग विशेषज्ञ और मनोचिकित्सक साफ कह रहे हैं, छोटे बच्चों में ऑटिज्म, एडीएचडी और बोलने में देरी का एक बड़ा कारण यह मोबाइल ही है। हम अपने हाथों से अपने बच्चे को बीमार बना रहे हैं।

पहले बच्चा रोता था तो घर के दस हाथ उसे संभालने आते थे। दादी लोरी गाती थी, नानी कहानी सुनाती थी, बुआ गोद में लेती थी, पिता कंधे पर घुमाता था। चाचा उंगली पकड़ कर चलाता था। उससे रिश्ते बनते थे, संस्कार बनते थे, बच्चा सामाजिक बनता था। आज रोते ही एक ही हाथ आता है, मोबाइल वाला। न लोरी रही, न कहानी, न दादी का प्यार, न नानी का दुलार। बच्चा परिवार से नहीं, स्क्रीन से जुड़ गया। वह मां को नहीं पहचानता, मोबाइल को पहचानता है। यह कितनी बड़ी त्रासदी है।

और उसका खेलना-कूदना, भागना-दौड़ना तो खत्म ही हो गया। जो बच्चा मिट्टी में खेलता था, मिट्टी से ही उसका शरीर मजबूत होता था, इम्यूनिटी बनती थी। जो भागता था, गिरता था, उठता था, उससे उसकी हड्डियां मजबूत होती थीं। वही बच्चा अब एक कोने में बैठा, गर्दन झुकाए, आंखें गड़ाए मोबाइल घिस रहा है। न धूप लग रही है, न हवा। शरीर कमजोर, हड्डियां कमजोर, आंखें कमजोर और बचपन सबसे ज्यादा कमजोर। बचपन तो रहा ही नहीं।

हम कहते हैं, मिट्टी मत खा, बीमार हो जाएगा। धूल में मत जा, बीमार हो जाएगा। बाहर का मत खा, बीमार हो जाएगा। हम इतने सजग हैं। पर बच्चा रोज घंटों तक स्क्रीन का मानसिक जहर खा रहा है, उसका दिमाग सड़ रहा है, उससे नहीं डरते। यह कौन सी सजगता है?

सोशल मीडिया पर फोटो डालने की होड़ ने तो हद ही कर दी है। बच्चे का हर रोना, हर हंसना, हर नहाना, हर खाना हमने दुनिया को दिखा दिया। हमने कभी सोचा कि उस फोटो के साथ कितनी घातक किरणें, कितनी बुरी नजरें, कितना डेटा उस बच्चे से चिपक रहा है? वह बच्चा अभी इस दुनिया को समझा भी नहीं और हमने उसे पूरी दुनिया के सामने परोस दिया। उसकी सुरक्षा, उसकी मासूमियत, सब खतरे में डाल दी।

एक घंटे का सुकून पाने के लिए आप उसके जीवन भर की एकाग्रता, उसकी आंखें, उसकी जुबान और उसका बचपन दांव पर लगा रहे हैं। वह एक घंटा आपको आराम देगा, पर वह बच्चा जीवन भर आपको परेशान करेगा, क्योंकि आपने उसकी नींव ही कमजोर कर दी।

अभी संभलने का समय है, कहीं देर न हो जाये। ताउम्र पछताओगे, सिर पटकोगे जब बच्चे अपंग होंगे, आंखों की बीमारी होगी, दिमाग कमजोर होगा और बोलने में पिछड़ जाएंगे।

इसलिए हाथ जोड़कर कह रहा हूं - जन्म लेते ही उसकी फोटो सोशल मीडिया पर डालना बंद कीजिए। उसकी नजर उतारने से पहले ही दुनिया की नजर में लाना बंद कीजिए। कम से कम पहले 5 साल तक तो उसे मोबाइल से दूर रखिए। उसे कहानी सुनाइए, लोरी सुनाइए, मिट्टी में खेलने दीजिए, पेड़ दिखाइए, चिड़िया दिखाइए। रोये तो गोद में लीजिए, मोबाइल मत दीजिए। और नवजात के हाथ में तो बिल्कुल मोबाइल मत दीजिए। यह खिलौना नहीं, बहुत घातक लत है।

(लेखक- नरेंद्र भारती)

बदलते युद्ध की चुनौतियों के बीच भारत की सैन्य शक्ति को नई उड़ान

ड्रोन मिसाइल और आधुनिक रक्षा तकनीक से मजबूत होगी राष्ट्रीय सुरक्षा



युद्ध का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। कभी युद्ध का फैसला सैनिकों की संख्या, बंदूकों और तोपों की ताकत से होता था, लेकिन आज आधुनिक तकनीक ने युद्ध के पूरे परिदृश्य को बदल दिया है। अब आसमान से निगरानी, ड्रोन तकनीक, मिसाइल प्रणाली, अत्याधुनिक लड़ाकू विमान और हवाई रक्षा प्रणाली किसी भी देश की सैन्य शक्ति के महत्वपूर्ण आधार बन गए हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध और इजरायल-ईरान संघर्ष ने दुनिया को यह स्पष्ट संदेश दिया है कि भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए पारंपरिक सैन्य ताकत के साथ तकनीकी क्षमता भी उतनी ही आवश्यक है। भारत भी बदलती परिस्थितियों को समझते हुए अपनी सेनाओं के आधुनिकीकरण की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

जैसलमेर में रक्षा मंत्रालय की संसदीय परामर्शदात्री समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इसी बदलते सैन्य परिदृश्य पर महत्वपूर्ण विचार रखे। उन्होंने स्पष्ट किया कि आधुनिक युद्ध में ड्रोन, मिसाइल और एयर डिफेंस सिस्टम की भूमिका लगातार बढ़ रही है। इसलिए भारतीय सेनाओं को केवल वर्तमान जरूरतों के अनुरूप नहीं, बल्कि भविष्य की चुनौतियों को ध्यान में रखकर तैयार करना सरकार की प्राथमिकता है। रक्षा मंत्री का यह संदेश बताता है कि भारत अपनी सुरक्षा व्यवस्था को समय के साथ अधिक सक्षम और आधुनिक बनाने के लिए गंभीर प्रयास कर रहा है। भारत का रक्षा बजट वित्त वर्ष 2026-27 में बढ़कर 7 लाख 85 हजार करोड़ रुपये हो गया है। इसमें सेना के आधुनिकीकरण और पूंजीगत खरीद के लिए 2 लाख 19 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। रक्षा बजट में यह बढ़ोतरी केवल हथियार खरीदने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य सेना की परिचालन क्षमता, आधुनिक तकनीक, स्वदेशी उत्पादन और राष्ट्रीय सुरक्षा के पूरे ढांचे को मजबूत करना है। किसी भी देश की आर्थिक प्रगति तभी सुरक्षित रह सकती है, जब उसकी सीमाएं सुरक्षित हों और उसकी रक्षा व्यवस्था किसी भी चुनौती का सामना करने में सक्षम हो।भारत के लिए आत्मनिर्भर रक्षा उत्पादन एक बड़ी उपलब्धि के रूप में सामने आया है। वर्ष 2014-15 में देश का रक्षा उत्पादन लगभग 46,429 करोड़ रुपये था, जो वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़कर करीब 1 लाख 78 हजार करोड़ रुपये तक पहुंच गया। यह आंकड़ा बताता है कि भारत रक्षा क्षेत्र में विदेशी निर्भरता कम करने और घरेलू उद्योगों को मजबूत बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। आज देश की बड़ी कंपनियों के साथ छोटे और मध्यम उद्योग भी रक्षा उत्पादन में अपनी भागीदारी निभा रहे हैं। इससे रोजगार के अवसर बढ़ने के साथ भारतीय तकनीकी क्षमता को भी प्रोत्साहन मिल रहा है।रक्षा मंत्री ने भारतीय सेना में नई सैन्य संरचनाओं के विकास का भी उल्लेख किया। इनमें अश्नि प्लाटून, भैरव बटालियन और शक्तिबाण रेजिमेंट विशेष महत्व रखती हैं। ये नई सैन्य संरचनाएं बदलती युद्ध परिस्थितियों के अनुरूप सेना की क्षमताओं को विकसित करने के प्रयासों का हिस्सा हैं। अश्नि प्लाटून के माध्यम से पैदल सेना की प्रत्येक बटालियन को अपनी ड्रोन इकाई उपलब्ध कराने की योजना है। इसका उद्देश्य सैनिकों को निगरानी और सूचनाओं के लिए अन्य सैन्य संसाधनों पर पूरी तरह निर्भर रहने से बचाना है। आधुनिक युद्ध में समय पर सही जानकारी मिलना अत्यंत महत्वपूर्ण हो गया है। ड्रोन तकनीक इस दिशा में सेना की सहायता कर सकती है।

भैरव बटालियन को पैदल सेना और विशेष बलों के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसके माध्यम से सेना की विभिन्न परिचालन आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षित जवानों की उपलब्धता बढ़ाने का प्रयास है। इससे विशेष बलों को अधिक जटिल और रणनीतिक महत्व वाले अभियानों पर ध्यान केंद्रित करने का अवसर मिलेगा। सेना की योजना ऐसी 25 बटालियन तैयार करने की है। वहीं शक्तिबाण रेजिमेंट आधुनिक तकनीक और ड्रोन आधारित सैन्य क्षमताओं को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इन तीनों संरचनाओं का उद्देश्य सेना को बदलती परिस्थितियों के अनुरूप अधिक सक्षम बनाना है।आज आसमान से निगरानी और आधुनिक हवाई सुरक्षा किसी भी देश की रक्षा व्यवस्था के महत्वपूर्ण स्तंभ बन चुके हैं। दुश्मन की गतिविधियों पर नजर रखने, सीमावर्ती क्षेत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और संभावित खतरों का समय रहते पता लगाने में आधुनिक तकनीक की उपयोगिता बढ़ी है। भारत ने भी अपनी हवाई रक्षा प्रणाली, मिसाइल क्षमता और स्वदेशी रक्षा उपकरणों के विकास पर विशेष ध्यान दिया है। देश की सुरक्षा केवल सीमा पर तैनात जवानों के साहस पर निर्भर नहीं करती, बल्कि उनके पास उपलब्ध आधुनिक संसाधनों और तकनीकी सहयोग पर भी निर्भर करती है।

भारत के सामने पाकिस्तान और चीन जैसे पड़ोसी देशों से जुड़ी सुरक्षा चुनौतियां हमेशा महत्वपूर्ण रही हैं। पाकिस्तान की ओर से सीमा पार आतंकवाद और सुरक्षा संबंधी गतिविधियां भारत के लिए चिंता का विषय रही हैं। वहीं चीन के साथ सीमा पर सतर्कता और रणनीतिक तैयारी आवश्यक है। ऐसे में भारत की सैन्य शक्ति का आधुनिकीकरण किसी देश को चुनौती देने के लिए नहीं, बल्कि अपनी संप्रभुता, सीमाओं और राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए जरूरी है। भारत की नीति शांति, संवाद और सहयोग की रही है, लेकिन शांति बनाए रखने के लिए मजबूत सुरक्षा व्यवस्था भी अनिवार्य है। जो देश अपनी रक्षा के लिए सक्षम होता है, उसकी कूटनीतिक स्थिति भी अधिक मजबूत होती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत की सोच को लगातार आगे बढ़ाया गया है। स्वदेशी हथियारों, रक्षा उपकरणों, तकनीकी अनुसंधान और घरेलू विनिर्माण को प्रोत्साहन देने से भारत की रक्षा क्षमता में नई संभावनाएं पैदा हुई हैं। सरकार का प्रयास है कि भारतीय सेनाओं की आवश्यकताओं के अनुसार देश में ही आधुनिक तकनीक विकसित हो और विदेशी निर्भरता धीरे-धीरे कम हो। यह केवल आर्थिक आत्मनिर्भरता का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा महत्वपूर्ण कदम है।

जैसलमेर की बैठक में रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह और संसदीय परामर्शदात्री समिति के सदस्य भी उपस्थित रहे। रक्षा मंत्री ने अधिकारियों से आधुनिकीकरण पर प्रस्तुतीकरण देने को कहा और सदस्यों के सुझावों पर यथासंभव अमल करने का आश्वासन दिया। इससे स्पष्ट है कि रक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने में सरकार विभिन्न स्तरों पर विचार-विमर्श और संस्थागत सुधारों को भी महत्व दे रही है।

भारत की सैन्य शक्ति का वास्तविक उद्देश्य युद्ध करना नहीं, बल्कि युद्ध की आशंका को रोकना और देश में शांति बनाए रखना है। सीमाएं सुरक्षित रहेंगी तो विकास की गति भी निर्बाध बनी रहेगी। किसान खेतों में उत्पादन कर सकेंगे, उद्योग आगे बढ़ेंगे, व्यापार का विस्तार होगा और नागरिक सुरक्षित वातावरण में अपना जीवन व्यतीत कर सकेंगे। आज आवश्यकता है कि सेना को आधुनिक संसाधन, स्वदेशी तकनीक, बेहतर प्रशिक्षण और पर्याप्त आर्थिक सहयोग मिलता रहे। बदलते समय में वही राष्ट्र अपनी सुरक्षा सुनिश्चित कर सकता है, जो भविष्य की चुनौतियों के लिए वर्तमान में तैयारी करता है। भारत इसी दिशा में आगे बढ़ रहा है। मजबूत सेना, आत्मनिर्भर रक्षा उत्पादन और आधुनिक तकनीक के समन्वय से भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा को नई मजबूती मिलेगी।

(लेखक- कांतिलाल मांडोत)

'कलेक्टर का सख्त एक्शन: ई-अटेंडेंस नहीं तो वेतन नहीं, स्कूल से गायब शिक्षक होंगे टर्मिनेट '



यश भारत, बैतूल। बैतूल कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में शिक्षा विभाग की विस्तृत समीक्षा बैठक लेकर अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले में शिक्षा व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए जमीनी स्तर पर प्रभावी कार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग के अधिकारी नियमित रूप से स्कूलों का निरीक्षण करें और यह सुनिश्चित करें कि बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले। जिन विद्यालयों में परीक्षा परिणाम कमजोर रहे हैं, वहां विशेष शैक्षणिक गतिविधियां संचालित कर सुधार लाया जाए।

उन्होंने विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति बढ़ाने, ड्रॉप आउट रोकने तथा बच्चों के सीखने के स्तर पर लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए।

नामांकन में प्रगति लाने के दिए निर्देश

बैठक में उन्होंने जिले के शासकीय विद्यालयों की शैक्षणिक स्थिति, विद्यार्थियों की उपस्थिति, गणवेश वितरण, साइकिल वितरण की समीक्षा की। कलेक्टर डॉ. सोनवणे ने शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों की नामांकन प्रगति की समीक्षा करते हुए कम प्रगति वाले विद्यालयों पर नाराजगी जताई। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि अधिक से अधिक विद्यार्थियों का नामांकन सुनिश्चित कर लक्ष्य अनुसार प्रगति लाई जाए। अपार आईडी की समीक्षा के दौरान कम प्रगति पर उन्होंने एपीसी जिला शिक्षा केंद्र का वेतन आहरण नहीं करने के निर्देश दिए। वहीं ड्रॉप बॉक्स में बच्चों की स्थिति पर भीमपुर बीआरसी को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही भैंसदेही, बैतूल और भीमपुर द्वारा तीन दिन में प्रगति नहीं लाने पर वेतन काटने के भी निर्देश दिए। निशुल्क साइकिल वितरण की समीक्षा के दौरान प्रभात पट्टन और चिचोली में अपेक्षित प्रगति नहीं पाए जाने पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त कर प्रगति लाने के निर्देश दिए।

ई-अटेंडेंस नहीं लगाने वाले शिक्षकों के वेतन रोकने के निर्देश

उन्होंने शिक्षकों द्वारा ई-अटेंडेंस लगाने के आंकड़ों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने ई-अटेंडेंस नहीं लगाने वाले शिक्षकों के वेतन रोकने के सख्त निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने स्कूल नहीं आने वाले शिक्षकों को टर्मिनेट किए जाने के निर्देश दिए। इसके लिए डीपीसी, बीआरसी को लगातार मॉनिटरिंग के निर्देश दिए।

बैठक में सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती वत्सला शिवहरे, जिला शिक्षा अधिकारी पूनम वरकड़े सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

धनतेरस पर बैतूल के ग्रामीणों को मिली सबसे बड़ी सौगात

घर की पक्की रजिस्ट्री से अब बैंक लोन भी मिलेगा, 45 हजार दस्तावेजों का पंजीयन पूर्ण

यश भारत, बैतूल। बैतूल स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन योजना 2026 के तहत धनतेरस के शुभ अवसर पर शुक्रवार को बैतूल जिले के 6 चयनित ग्रामों में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में पात्र हितग्राहियों के आवासीय भूखंडों के स्वामित्व अधिकार अभिलेखों का शत-प्रतिशत पंजीयन कराया गया। इसी क्रम में बैतूल विकासखंड के ग्राम साकादेही में केंद्रीय जनजातीय कार्य राज्यमंत्री एवं सांसद दुर्गादास उईके की उपस्थिति में पंजीयन कार्य शत प्रतिशत संपन्न किया गया।

कार्यक्रम में जिला विकास सलाहकार समिति के सदस्य सुधाकर पवार, जिला पंचायत उपाध्यक्ष हंसराज धुर्वे, कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे, एसडीएम डॉ. अभिजीत सिंह, तहसीलदार डॉली रायकवार, नितिन बारस्कर, माधवराव मानकर, बबलू नागले, सोनू धुर्वे, ओम मालवीय सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

केंद्रीय राज्यमंत्री बोले- ग्रामीणों को मिल रहा संपत्ति का कानूनी अधिकार



केंद्रीय राज्यमंत्री दुर्गादास उईके ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में स्वामित्व योजना के माध्यम से ग्रामीणों को उनकी आवासीय संपत्ति का कानूनी मालिकाना हक प्रदान किया जा रहा है। यह योजना ग्रामीण परिवारों के आर्थिक सशक्तिकरण और उनके सुरक्षित भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

उन्होंने कहा कि पहले ग्रामीणों के पास मकान होने के बावजूद वैधानिक दस्तावेज नहीं होने से बैंक से ऋण प्राप्त करने में कठिनाई होती थी। अब पक्की रजिस्ट्री मिलने से ग्रामीण अपनी संपत्ति के आधार पर बैंक ऋण प्राप्त कर सकेंगे। इसके साथ ही संपत्ति के क्रय-विक्रय सहित विभिन्न कार्यों में भी उन्हें सुविधा मिलेगी।

केंद्रीय मंत्री उईके ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्ति के सुख-दुख की चिंता करते हुए उनके कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। विधायक हेमंत खंडेलवाल के नेतृत्व में बैतूल जिला विकास की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने स्वामित्व पंजीयन कार्य के सफल क्रियान्वयन के लिए कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे एवं जिला प्रशासन की पूरी टीम की सराहना की।

जिला पंचायत उपाध्यक्ष हंसराज धुर्वे ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ग्रामीणों को उनकी आबादी भूमि पर मालिकाना हक दिलाने की महत्वपूर्ण सौगात दी है। अब योजना के तहत पात्र ग्रामीणों को निःशुल्क पक्की रजिस्ट्री का लाभ मिल रहा है, जिससे उन्हें अपनी संपत्ति का वैधानिक अधिकार प्राप्त होगा।

1 लाख 15 हजार का लक्ष्य, 45 हजार रजिस्ट्री पूर्ण

कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे ने बताया कि पात्र हितग्राहियों के स्वामित्व पट्टों का पंजीयन निःशुल्क किया जा रहा है। रजिस्ट्री पर लगने वाली स्टाम्प ड्यूटी, पंजीयन शुल्क एवं पंचायत उपकर का व्यय मध्यप्रदेश शासन द्वारा वहन किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि राजस्व अमले एवं पटवारियों के निरंतर परिश्रम से जिले में कुल 1 लाख 15 हजार रजिस्ट्री के लक्ष्य के विरुद्ध अब तक 45 हजार रजिस्ट्री का पंजीयन किया जा चुका है। वहीं बैतूल तहसील के 157 ग्रामों में कुल 15 हजार 684 प्लॉट के विरुद्ध 6 हजार से अधिक रजिस्ट्री का पंजीयन पूर्ण किया जा चुका है। बैतूल तहसील के 10 ग्रामों में शत प्रतिशत रजिस्ट्री पूर्ण हो गई है।

मंडी जाते वक्त पलटा मक्के से भरा ट्रैक्टर, 30 साल के युवक की दर्दनाक मौत '

यश भारत, बैतूल। बैतूल मक्का से भरा ट्रैक्टर पलटने से युवक की मौत हो गई। वह उपज लेकर मंडी जा रहा था। कृषि उपज मंडी में मक्का ले जाते हुए यह हादसा हुआ। पुलिस घटना की जांच में जुटी है।

बैतूल जिले के भैंसदेही थाना क्षेत्र के ग्राम पोहर में ट्रैक्टर पलटने से युवक की दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक पोहर निवासी सुभाष उइके उम्र 30 वर्ष ट्रैक्टर से मक्का लेकर मंडी जा रहा था। गाँव के ही पास ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया।

हादसे में सुभाष गंभीर रूप से घायल हो गया था। घायल को उपचार के लिए भैंसदेही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, यहां से जिला अस्पताल रेफर किया गया। युवक की उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक का शुक्रवार सुबह जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया है।

खेती की बटाई बनी खूनी रंजिश: लातों से पीट-पीटकर अधेड़ की हत्या, आरोपी जेल भेजा '

यश भारत, आमला / बैतूल आमला पुरानी रंजिश और खेती के विवाद में अधेड़ की हत्या के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आमला थाना क्षेत्र के ग्राम जंबाड़ा में मारपीट कर अधेड़ की हत्या कर दी गई थी। घटना करीब एक माह पुरानी है। आमला पुलिस ने मर्ग जांच के बाद इस मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

थाना प्रभारी मुकेश ठाकुर ने बताया कि 4 अक्टूबर को ग्राम जंबाड़ा में खेती की बटाई को लेकर आरोपी ओमप्रकाश उर्फ मुन्ना देशमुख एवं मृतक चंद्रभान माथनकर के बीच विवाद हुआ था। विवाद के दौरान आरोपी द्वारा मृतक को अश्लील गाली-गलौज की गई। इस पर मृतक की पत्नी कमला बाई द्वारा गाली देने से मना करने पर आरोपी ने उसके साथ हाथ-मुक्कों से मारपीट कर धक्का देकर जमीन पर गिरा दिया। इसके बाद आरोपी ने आक्रोशित होकर चंद्रभान माथनकर की छाती पर जान से मारने की नीयत से 2-3 लातें मारीं, जिससे वह बेहोश होकर गिर गया।



मर्ग जांच के बाद अपराध दर्ज

सूचना पर थाना आमला में मर्ग कायम कर जांच की गई। जांच में प्राप्त तथ्यों के आधार पर धारा 296(बी), 115(2), 103(1) भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। पुलिस ने आरोपी ओमप्रकाश उर्फ मुन्ना पिता देवराव देशमुख निवासी ग्राम जंबाड़ा को गिरफ्तार किया। आरोपी को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। इस प्रकरण में कार्रवाई करने में थाना प्रभारी मुकेश ठाकुर, उप निरीक्षक मोहनलाल गुप्ता, सहायक उप निरीक्षक रामेश्वर ठाकुर तथा आरक्षक ओमप्रकाश नागोतिया, नरेंद्र यदुवंशी, रोहन उइके, आदेश कवरेती, सचिन दीवान एवं जितेंद्र गाडरे की सराहनीय भूमिका रही।

कटनी

बाजार में जमकर हुई धनवर्षा

धनतेरस पर 25 करोड़ के कारोबार की उम्मीद
शाम होते ही दुकानों पर उमडी लोगों की भीड़

बर्तन, सराफा, इलेक्ट्रिक, इलेक्ट्रानिक्स पहली पसंद
दुपहिया वाहनों के शो रूम में भी मेला

कटनी, यशभारत। धनतेरस के साथ पांच दिवसीय दीपोत्सव पर्व की शुरूआत हो गई है। धनतेरस के साथ ही आज धनवंतरि जयंती भी मनाई जा रही है। शाम होते ही घर-घर भगवान धनवंतरि की पूजा की जाएगी। धनतेरस पर आज मालव्य राजयोग है, जिसे ज्योतिष शास्त्र में अत्यंत शुभ माना गया है। इस दिन हस्त नक्षत्र और विष्कुंभ योग भी रहेगा। पर्व पर कुछ न कुछ खरीदने की परंपरा सालों से चली आ रही है, जिसका निर्वहन आज भी किया जाएगा। धनतेरस के लिए शहर का बाजार सजकर गुलजार हो गया है। बाजारों में सुबह से ही लोगों की भीड़ नजर आ रही है। खरीददारी का सिलसिला शाम से शुरू होकर देर रात तक चलता रहेगा। सबसे ज्यादा भीड़ बर्तन और सराफा बाजार में नजर आएगी। आर्थिक मंदी और महंगाई के बाद भी व्यापारियों को इस बार अच्छा कारोबार होने की उम्मीद है। धनतेरस के बाद कल 7 नवंबर को नरक चतुर्दशी एवं परसों 8 नवंबर को रोशनी का महापर्व दीपावली का पर्व मनाया जाएगा।

ग्राहकों को लुभाने कैशबैक ऑफर



धनतेरस के चलते बाजारों में बर्तन, आभूषण, कपड़ा आदि की दुकानें सजकर तैयार हो गई हैं। दुकानदारों को भी अब धनवर्षा का इंतजार है। धनतेरस एवं दीपावली को लेकर बाजार गुलजार हो गया है। लोगों ने खरीदारी भी शुरू कर दी है। इलेक्ट्रॉनिक बाजार में भी ग्राहकों को लुभाने के लिए कंपनियों की तरफ से कैशबैक ऑफर व फाइनेंस की सुविधा दी जा रही है। ग्राहक टीवी, फ्रिज से लेकर एसी, कूलर की खरीदारी कर रहे



हैं। कारोबारियों के मुताबिक इस बार पिछले साल की अपेक्षा अधिक कारोबार होने की उम्मीद है। बाजार में रौनक से दुकानदारों के चेहरे पर मुस्कान भी आ गई है।

आस्था के आगे घुटने टेक रही महंगाई

आस्था के आगे महंगाई घुटने टेक रही है। दीवाली की खरीदारी को लेकर लोगों में उत्सुकता देखी जा रही है। टीवी, फ्रिज, वॉशिंग मशीन के अलावा



मोबाइल समेत अन्य सामानों की खरीद लोगों ने करनी शुरू कर दी है। कुछ लोग धनतेरस पर फ्रिज, मोबाइल समेत अन्य सामान खरीदने के लिए बुकिंग भी करा रहे हैं। दुकानों में सजे हुए उत्पाद अब ग्राहकों को लुभा रहे हैं। श्रीराम जेम्स एंड ज्वैलर्स के संचालक आशीष सोनी, अभिषेक सोनी ने बताया कि धनतेरस पर सोने-चांदी के सिक्कों में बने गणेश-लक्ष्मी की बिक्री होती है। इसको लेकर ग्राहकों की पसंद का भी ख्याल रखा गया है। तिरूमाला ज्वैलर्स के संचालक आशीष जायसवाल एवं रूपम ज्वैलर्स के

करोड़ों का सांदीपनि विद्यालय, लेकिन सुविधाएं बदहाल!

1500 विद्यार्थियों की सुरक्षा दांव पर, बदबूदार शौचालय से लेकर अधूरी बिजली व्यवस्था तक उठे गंभीर सवाल







शाहनगर (पन्ना), यशभारत। करोड़ों रुपये की लागत से तैयार संदीपनी उत्कृष्ट विद्यालय का बहुमंजिला भवन भले ही शिक्षा के बेहतर भविष्य की तस्वीर पेश करता हो, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। कहीं पानी के अभाव में शौचालय बदहाल हैं, तो कहीं विद्युत व्यवस्था अधूरी होने से सुरक्षा पर सवाल खड़े हो रहे हैं। इतना ही नहीं, तीसरी मंजिल पर बिना सुरक्षा उपकरणों के पुताई कराए जाने का वीडियो भी सामने आया है। ऐसे में करीब 1500 छात्र-छात्राओं की सुरक्षा और सुविधाओं को लेकर गंभीर चिंता जताई जा रही है।

बदबूदार शौचालय, पानी की कमी से विद्यार्थी परेशान- शाहनगर स्थित इस विद्यालय में ग्राउंड फ्लोर से लेकर तीसरी मंजिल तक कक्षाएं संचालित हो रही हैं। यहां लगभग 1500 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं, लेकिन पर्याप्त पानी की उपलब्धता नहीं होने के कारण शौचालयों की स्थिति खराब बनी हुई है। शौचालयों से उठती दुर्गंध विद्यार्थियों और विद्यालय स्टाफ के लिए परेशानी का कारण बन रही है। सवाल यह है कि करोड़ों की लागत से बने भवन में स्वच्छता जैसी मूलभूत सुविधा भी सुनिश्चित क्यों नहीं हो पा रही है?

शॉर्ट सर्किट की घटना ने खोली विद्युत व्यवस्था की पोल- विद्यालय की विद्युत व्यवस्था भी चिंता का विषय बनी हुई है। करीब एक सप्ताह पहले भवन के ग्राउंड फ्लोर और तीसरी मंजिल पर शॉर्ट सर्किट के चलते आग लगने की सूचना सामने आई थी। गनीमत रही कि इस घटना में कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ, लेकिन इसने भवन की विद्युत सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस संबंध में निर्माण कार्य से जुड़ी एजेंसी श्री साई इंफ्रास्ट्रक्चर के इंजीनियर पारस गोयल ने बताया कि पीआईयू विभाग से राशि प्राप्त नहीं होने के कारण विद्युत सप्लाई का कार्य आगे नहीं बढ़ पा रहा है। उनके बयान से स्पष्ट है कि भुगतान संबंधी समस्या के चलते बिजली व्यवस्था का काम प्रभावित हो रहा है।

तीसरी मंजिल पर बिना सुरक्षा पुताई, श्रमिकों की जान जोखिम में!- मामला केवल विद्यार्थियों की सुविधाओं तक सीमित नहीं है। विद्यालय की बाहरी दीवारों पर पुताई करते युवकों का एक वीडियो भी सामने आया है। इसमें युवक तीसरी मंजिल पर बिना किसी स्पष्ट सुरक्षा उपकरण और सुरक्षा इंतजाम के काम करते दिखाई दे रहे हैं। इतनी ऊंचाई पर बिना सुरक्षा व्यवस्था के काम कराया जाना श्रमिकों की जान के साथ खिलवाड़ जैसा है। सामने आई जानकारी के अनुसार, इस लापरवाही के लिए संबंधित ठेकेदार को जिम्मेदार बताया गया है।

जिम्मेदार विभागों से सीधे सवाल- अब सवाल यह है कि जब विद्यालय में नियमित रूप से कक्षाएं संचालित हो रही हैं और लगभग 1500 विद्यार्थी पढ़ाई कर रहे हैं, तो उनकी सुरक्षा और सुविधाओं की जिम्मेदारी कौन सुनिश्चित करेगा? करोड़ों रुपये के भवन में स्वच्छ शौचालय और पर्याप्त पानी की व्यवस्था क्यों नहीं है?

विद्युत सप्लाई का कार्य अधूरा होने के बावजूद कक्षाएं कैसे संचालित की जा रही हैं?- शॉर्ट सर्किट की घटना के बाद विद्युत सुरक्षा को लेकर क्या कदम उठाए गए? तीसरी मंजिल पर बिना सुरक्षा उपकरणों के पुताई कराने वाले ठेकेदार पर क्या कार्रवाई होगी?

विद्यार्थियों और श्रमिकों की सुरक्षा की जवाबदेही आखिर किसकी है?- करोड़ों रुपये खर्च कर भव्य भवन खड़ा कर देना ही उत्कृष्ट विद्यालय की पहचान नहीं हो सकती। असली उत्कृष्टता तब है, जब विद्यार्थियों को स्वच्छ वातावरण, पर्याप्त पानी, सुरक्षित विद्युत व्यवस्था और बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं मिलें। अब निगाहें पीआईयू विभाग, और संबंधित निर्माण एजेंसी पर टिकी हैं। देखना होगा कि इन समस्याओं को दूर करने के लिए कब तक ठोस कदम उठाए जाते हैं और विद्यार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाती है। क्योंकि सवाल सिर्फ एक विद्यालय की व्यवस्थाओं का नहीं, बल्कि उन 1500 बच्चों के भविष्य और सुरक्षा का है, जिनके बेहतर भविष्य के सपने के साथ इस भवन का निर्माण किया गया था।



बच्चों के हाथों से बने दीपावली के सजावटी उत्पाद

कलेक्ट्रेट में सजे स्टॉल पर दिखी रचनात्मकता
दीये-कैंडल और रंग-बिरंगे तोरण के जरिए दिया वोकल फॉर लोकल का संदेश

कटनी ,यशभारत। कलेक्टर आशीष तिवारी ने कलेक्ट्रेट परिसर में बाल गृह संस्थाओं के बच्चों द्वारा तैयार दीपावली के सजावटी उत्पादों की खरीदारी कर उनके हुनर को सम्मान और आत्मनिर्भरता के सपनों को नई उड़ान दी। इस स्टॉल में विभिन्न बाल गृह संस्थाओं के कर्मचारी उपस्थित रहे। मिशन वात्सल्य के तहत संचालित बाल देखरेख संस्थाओं के बच्चों की प्रतिभा को मंच देने और उन्हें आर्थिक संबल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कलेक्ट्रेट के प्रवेश हॉल में लगे स्टॉल से कलेक्टर ने रंग-बिरंगे तोरण और कैंडल्स आदि हस्तनिर्मित सामग्री खरीदा और नगद भुगतान किया। यहां बच्चों द्वारा तैयार ग्लास कैंडल, वॉल हैंगिंग, झालर, सजावटी दीये और अन्य आकर्षक उत्पाद प्रदर्शित किए गए। डिप्टी कलेक्टर प्रमोद चतुर्वेदी एवं महिला सशक्तिकरण अधिकारी वनश्री कुर्वेती ने भी उत्पादों की खरीदारी कर बच्चों का उत्साहवर्धन किया। यह स्टॉल महज उत्पादों की प्रदर्शनी नहीं, बल्कि बच्चों के हुनर को पहचान देने और उन्हें आत्मनिर्भरता की राह दिखाने का माध्यम बना। बच्चों की कलाकारी ने स्थानीय प्रतिभा को प्रोत्साहन देने के साथ वोकल फॉर लोकल का संदेश भी दिया। इन नन्हे हाथों की बनाई सामग्री ने दीपावली की खुशियों में सम्मान, स्वाभिमान और आत्मविश्वास की रोशनी भी जोड़ दी।

कलेक्टर ने किया पटाखा बाजारों का निरीक्षण

अस्थाई पटाखा बाजारों में सुरक्षा, साफ-सफाई एवं आवश्यक व्यवस्थाएं के दिए निर्देश

नर्मदापुरम(यश भारत)

दीपावली पर्व के दृष्टिगत आमजन की सुविधा एवं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर आशीष वशिष्ठ एवं पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला ने पिपरिया एवं सोहागपुर में संचालित अस्थाई पटाखा बाजारों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पटाखा दुकानों एवं बाजार परिसर में की गई व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर श्री वशिष्ठ ने अनुविभागीय अधिकारियों एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारियों को







निर्देशित किया कि अस्थाई पटाखा बाजारों में पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही बाजार परिसर में नियमित साफ-सफाई कराई जाए। उन्होंने दुकानों के बाहर क्रमांक अंकित करने तथा प्रत्येक दुकान के सामने दुकान का नाम स्पष्ट रूप से लिखवाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने बाजार परिसर में जहां आवश्यकता हो, वहां ग्राउंड का समतलीकरण कराने तथा धूल से बचाव के लिए नियमित रूप से पानी का छिड़काव कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बाजार में आने वाले ग्राहकों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। कलेक्टर श्री वशिष्ठ ने सभी पटाखा दुकानदारों से अपनी-अपनी दुकानों में अनिवार्य रूप से अग्निशमन यंत्र (फायर एक्सटिंग्विशर) रखने की अपील की। उन्होंने निर्देश दिए कि पटाखा बाजारों के समीप फायर ब्रिगेड के वाहन आवश्यक रूप से तैनात रहें। साथ ही बाजार में दुकानों के बीच पर्याप्त दूरी एवं आवागमन के लिए उचित स्थान रखा जाए, जिससे किसी भी आपात स्थिति में फायर ब्रिगेड सहित अन्य आपातकालीन वाहनों का आवागमन सुगमता से हो सके। निरीक्षण के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कुसुम महाविद्यालय में युवा उत्सव का समापन

नर्मदापुरम/सिवनीमालवा ।



तीन दिवसीय युवा उत्सव का समापन महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. ए.के. यादव के मार्गदर्शन में हुआ द्य युवा उत्सव के अंतिम दिवस विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता, तार्किक चिंतन, अभिव्यक्ति कौशल एवं भारतीय ज्ञान परंपरा के प्रति जागरूकता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रश्न मंच, वाद-विवाद एवं भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।प्रश्न मंच प्रतियोगिता का विषय 'भारतीय ज्ञान परंपरा और उसके आयाम' रहा। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने भारतीय संस्कृति, प्राचीन ज्ञान, परंपराओं एवं विभिन्न ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्रों से संबंधित प्रश्नों के उत्तर उत्साहपूर्वक दिए। इस प्रतियोगिता में टीम सी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। टीम सी में कामिनी वर्मा, सोना उइके, अनुष्का मालवीय एवं विशाखा पटेल शामिल रहीं। इसके पश्चात वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसका विषय 'मानव कल्याण केवल भारतीय शिक्षा प्रणाली से संभव है' रखा गया। प्रतियोगिता में पक्ष में प्रवीण लोवंशी तथा विपक्ष में दिव्यांश लोवंशी ने अपने विचार प्रस्तुत किए। इसी क्रम में भाषण प्रतियोगिता का विषय 'आत्मनिर्भर भारत में भारतीय ज्ञान परंपरा की भूमिका' रहा। इस प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने भारतीय ज्ञान परंपरा के महत्व, स्वदेशी विचारधारा, कौशल विकास, आत्मनिर्भरता एवं राष्ट्र निर्माण में इसके योगदान पर अपने विचार व्यक्त किए। भाषण प्रतियोगिता में दिव्यांश लोवंशी ने उत्कृष्ट प्रस्तुति देते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया।इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए.के. यादव ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि युवा उत्सव विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने, आत्मविश्वास बढ़ाने तथा भारतीय संस्कृति एवं ज्ञान परंपरा से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम है।

पुलिस ने बस और रेलवे स्टेशन सहित बाजारों में की चेकिंग

नर्मदापुरम, यशभारत। दीपोत्सव शुरू हो गया है। इसके चलते पुलिस भी सुरक्षा को लेकर गंभीर है। शहर में कोई भी अप्रिय घटना ना हो इससे निपटने के लिए पुलिस द्वारा बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन पटाखा बाजार सहित अन्य स्थानों पर सघन चेकिंग अभियान चलाया। सुरक्षा के चलते कोतवाली पुलिस, आरपीएफ जीआरपी की संयुक्त कार्रवाई हुई और इसमें डॉग स्क्वॉड के साथ पुलिस ने चेकिंग की। बस स्टैंड पर बसों के अंदर सामानों की चेकिंग की गई। वहीं लोगों से पूछताछ की। इसके साथ ही रेलवे स्टेशन पर भी चेकिंग कर सुरक्षा देखी। पटाखा बाजार सहित अन्य स्थानों पर चेकिंग अभियान चलाया गया और लोगों से पूछताछ की। दीपावली त्यौहार के चलते मादक पदार्थ सहित अन्य ज्वलनशील पदार्थ और अन्य अपराधिक प्रवृत्ति से निपटने के लिए पुलिस ने चेकिंग अभियान चलाया?

वनपालों को मिला उप वनक्षेत्रपाल का दायित्व

नर्मदापुरम, यशभारत।

लंबे समय से पदोन्नति की प्रतीक्षा कर रहे नर्मदापुरम वृत्त के 76 वन सेवकों के लिए विभाग की ओर से खुशियों भरी खबर सामने आई है। विभागीय पदोन्नति प्रक्रिया के तहत 60 वनरक्षकों को वनपाल बनाया गया है, जबकि 16 वनपालों को उप वनक्षेत्रपाल के पद पर पदोन्नति प्रदान की गई है। मुख्य वनसंरक्षक नर्मदापुरम वृत्त अशोक कुमार द्वारा जारी पदोन्नति आदेशों से नर्मदापुरम, हरदा और सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में पदस्थ कर्मचारियों को लाभ मिला है।वन विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार 12 अक्टूबर 2026 को जारी आदेश के माध्यम से 16 वनपालों को उप वनक्षेत्रपाल के पद पर पदोन्नत किया गया है। वहीं 2 नवंबर 2026 को जारी आदेश में 60 वनरक्षकों को वनपाल के पद पर पदोन्नति दी गई है। इस तरह एक साथ 76 कर्मचारियों को विभागीय स्तर पर आगे बढ़ने का अवसर मिला है। दोनों पदोन्नतियां विभागीय पदोन्नति समिति की अनुशंसा तथा मध्यप्रदेश लोक सेवा पदोन्नति नियम 2025 के प्रावधानों के अनुरूप की गई हैं। पदोन्नति प्राप्त करने वाले 60 वनरक्षकों को सातवें वेतनमान के अंतर्गत वेतन स्तर-6 प्रदान किया गया है। इस पद का वेतनमान 25,300 से 80,500 रुपये निर्धारित है। पदोन्नति का लाभ नर्मदापुरम सामान्य वनमंडल, हरदा सामान्य एवं उत्पादन वनमंडल और सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में कार्यरत कर्मचारियों को मिला है। कर्मचारियों को नवीन पदस्थापना भी दी गई है, जिसके तहत कुछ कर्मचारियों को वर्तमान कार्यक्षेत्र में ही नई जिम्मेदारी सौंपी गई है, जबकि कुछ को अन्य स्थानों पर पदस्थ किया गया है।

16 वनपालों को मिला उप वनक्षेत्रपाल बनने का अवसर-इसी क्रम में 16 वनपालों को उप वनक्षेत्रपाल पद पर पदोन्नति प्रदान की गई है। इन कर्मचारियों को वेतन स्तर-7 के अंतर्गत 28,700 से 91,300 रुपये तक का वेतनमान मिलेगा। पदोन्नति पाने वालों में नरेंद्र कुमार बड़गुजर, अजयसिंह परस्ते, ऋषि कुमार कुलफारिया, भगतराम वर्मा, सरिता धुर्वे, सुबखान सोलंकी, सविता धुर्वे, प्रदीप कुमार पंकज, राजेंद्र कुमार भिलाला, मोहनसिंह पटेल, संजय कुमार तिवारी, हृदयनादास पारस, पुष्पलता सिंह पट्टा, रामजीलाल उईके, जीवनसिंह रघुवंशी और श्यामा धुर्वे शामिल हैं। इनकी पदस्थापना नर्मदापुरम, हरदा के सामान्य एवं उत्पादन वनमंडल तथा सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में निर्धारित की गई है। पदोन्नति के साथ कर्मचारियों के लिए नवीन पदस्थापना पर कार्यभार ग्रहण करने की समय सीमा भी तय की गई है। वनपाल पद पर पदोन्नत 60 कर्मचारियों को आदेश प्रभावशील होने की तिथि से एक माह के भीतर कार्यभार ग्रहण करना होगा, जबकि उप वनक्षेत्रपाल बने 16 कर्मचारियों के लिए दो माह की अवधि निर्धारित की गई है। संबंधित अधिकारियों को पदोन्नत कर्मचारियों को भारमुक्त करने के निर्देश भी दिए गए हैं, ताकि वे निर्धारित समय में नई पदस्थापना पर अपनी जिम्मेदारी संभाल सकें।

वन विभाग के 76 कर्मचारियों को मिली पदोन्नति; वनरक्षक बने वनपाल



सेवा अभिलेखों के सत्यापन के बाद प्रभावी रहेंगे आदेश

पदोन्नति आदेशों में सेवा अभिलेखों के सत्यापन की शर्त भी रखी गई है। किसी कर्मचारी के विरुद्ध विभागीय जांच, आपराधिक प्रकरण अथवा न्यायालय में मामला लंबित होने की जानकारी सामने आने पर नियमानुसार आदेश में संशोधन या निरस्तीकरण किया जा सकेगा। वहीं निर्धारित समय सीमा में नवीन पद का कार्यभार ग्रहण नहीं करने पर संबंधित कर्मचारी के विरुद्ध मध्यप्रदेश सिविल सेवा नियमों के तहत कार्रवाई किए जाने और आगामी पांच वर्षों तक पदोन्नति से वंचित किए जाने का प्रावधान भी उल्लेखित है।एक साथ 76 कर्मचारियों को पदोन्नति मिलने से वन विभाग के मैदानी अमले में उत्साह का माहौल है।

छठवें दिन इटारसी स्टेशन पर ई-कचरा प्रबंधन के प्रति किया जागरूक

नर्मदापुरम/इटारसी, यशभारत



पश्चिम मध्य रेल, भोपाल मंडल द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं सतत जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संचालित मिशन लाइफ अभियान के अंतर्गत छठवें दिन बीना एवं इटारसी स्टेशनों पर जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस दिन की थीम 'ई-कचरा कम करना' रही।बीना स्टेशन पर मिशन लाइफ अभियान के अंतर्गत ई-कचरे को कम करने तथा पर्यावरण के अनुकूल जीवनशैली अपनाने के प्रति जागरूकता गतिविधियां आयोजित की गईं।

इटारसी स्टेशन पर डिजिटल डिस्प्ले एवं पोस्टरों के माध्यम से ई-कचरे के उचित प्रबंधन का संदेश प्रसारित किया गया। इसके साथ ही रेल कर्मचारियों के लिए जागरूकता सत्र आयोजित किया गया तथा संबंधित हितधारकों के साथ संवाद किया गया। इस दौरान इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की मरम्मत कर पुनः उपयोग करने, उनके उपयोगी जीवन को बढ़ाने तथा अनुपयोगी इलेक्ट्रॉनिक सामग्री का अधिकृत एवं उचित माध्यम से निस्तारण करने के महत्व पर चर्चा की गई।अभियान का उद्देश्य रेल कर्मचारियों एवं आमजन को ई-कचरे के जिम्मेदार प्रबंधन के प्रति जागरूक करना तथा मरम्मत, पुनः उपयोग और उचित निस्तारण की आदतों को प्रोत्साहित करना है।

देशवासियों और मरीजों के उत्तम स्वास्थ्य के लिए गूंजे भगवान धन्वंतरि के जयकारे

नर्मदापुरम, यशभारत।



आरोग्य चिकित्सा एवं आयुर्वेद के आदिदेव भगवान श्री धन्वंतरि की जयंती के पावन अवसर पर केशव हॉस्पिटल एवं सेठा मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल में भव्य पूजन व महाआरती का आयोजन किया गया। इस विशेष अनुष्ठान में अस्पताल प्रबंधन व डॉक्टरों के साथ-साथ उपचाराधीन मरीजोए उनके परिजनों और क्षेत्रवासियों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और सामूहिक रूप से समस्त देशवासियों के निरोगी काया की कामना की।वैदिक मंत्रोच्चार और शंखध्वनि के बीच डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ ने भगवान धन्वंतरि की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर पूजा- अर्चना शुरु की। इस दौरान विशेष रूप से एक प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। जिसमें अस्पताल में भर्ती मरीजों के जल्द से जल्द स्वस्थ होकर अपने घर लौटने की कामना की गई। साथ हीए सर्वे सन्तु निरामयाः सभी रोगमुक्त रहें के संकल्प के साथ समस्त देशवासियों के उत्तम स्वास्थ्यए दीर्घायु और खुशहाली के लिए भगवान से प्रार्थना की गई।अस्पताल प्रबंधन डॉ. अतुल सेठा एवं टीम वरिष्ठ चिकित्सक वैघ एवं पत्रकार भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर कहा हमारा मुख्य उ?द्देश्य मरीजों की सेवा के साथ-साथ देश के हर नागरिक तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना है। भगवान धन्वंतरि से प्रार्थना है कि हमारा देश हमेशा स्वस्थ और समृद्ध रहे। '

स्वास्थ्य विभाग में नियमों की उड़ रही धज्जियां

अटैचमेंट खत्म होने के बाद भी कुर्सियों पर जमे कर्मचारी,फील्ड छोड़ बने 'बाबू'

नर्मदापुरम, यशभारत। शासन के सख्त निर्देशों के बावजूद जिले के स्वास्थ्य विभाग में संलग्नीकरण (अटैचमेंट) का खेल खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। शासन स्तर से सभी प्रकार के अटैचमेंट समाप्त करने के स्पष्ट आदेशों के बाद भी जिला स्तर पर अधिकारियों और कर्मचारियों को उनकी मूल पदस्थापना पर रिलीव नहीं किया गया है। इतना ही नहीं, फील्ड में जाकर स्वास्थ्य सेवाएं देने वाले तकनीकी स्टाफ को कार्यालयों में महत्वपूर्ण शाखाओं का प्रभार देकर 'बाबू' बना दिया गया है, जिससे ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह पटरी से उतर चुकी हैं।विभागीय सूत्रों के अनुसार, संलग्नीकरण समाप्त होने की आधिकारिक समय-सीमा बीत जाने के बाद भी जिला अस्पताल से न तो सेंगर साहब को मूल पद पर भेजा गया और न ही अन्य संबद्ध कर्मचारियों को रिलीव किया गया। इसी तरह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पिपरिया में पदस्थ डॉ. प्रियंका दुबे को नियम विरुद्ध तरीके से टीबी विंग में अटैच रखा गया है। सामुदायिक स्तर पर चिकित्सकों की भारी कमी के बावजूद उन्हें जिला मुख्यालय पर रोके रखने से स्थानीय मरीजों को गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। फील्ड वर्कर संभाल रहे स्थापना शाखा सबसे चौंकाने वाला मामला डोलरिया ब्लॉक और साँवलखेड़ा क्षेत्र से सामने आ रहा है।साँवलखेड़ा में पदस्थ एमपी डब्ल्यू अमित को फील्ड ड्यूटी से हटाकर कार्यालयीन बाबू का दायित्व सौंप दिया गया है। नियमानुसार स्थापना शाखा और प्रशासनिक जिम्मेदारियां लिपिकीय संवर्ग या ब्लॉक अकाउंट मैनेजर (बीएएम) के अधिकार क्षेत्र में आती हैं।

12 घण्टे के भीतर दोहरे हत्याकांड का किया खुलासा

पुलिस कप्तान के दिशा निर्देशन सोहागपुर पुलिस की कार्रवाई

नर्मदापुरम/ सोहागपुर, यशभारत।



जिले के पुलिस कप्तान दीपक कुमार शुक्ला के दिशा निर्देशन में एवं एएसपी अभिषेक राजन के मार्गदर्शन में एसडीओपी अरविंद शाह के कुशल नेतृत्व में सोहागपुर थाना टी आई गिरीश त्रिपाठी और उनकी टीम ने दोहरे हत्याकांड के आरोपी को 12 घंटे के भीतर गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। तत्संबंध में पुलिस ने बताया कि गुरुवार को रात्री करीब 11.00 बजे ग्राम रैनी पानी से सूचना प्राप्त हुई कि गाँव मे रहने वाले बुजुर्ग दम्पत्ति राधे उईके और उसकी पत्नी तितो बाई उर्फ कृष्णा उईके के घर पर उनकी डेडबाडी पड़ी है ।और दोनों के सिर और बदन से खून निकल रहा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए तत्काल पुलिस बल मौके पर पहुंचा। घटना स्थल को प्रिजर्व कर साक्ष्य संकलन किए व अड़ोस पड़ोस मे रहने वालों से विस्तृत पूछताछ की, प्रकरण मे तत्काल अपराध क्रमांक 694/ 2026 धारा 103(1) बीएनएस कायम कर विवेचना मे लिया गया। आसपड़ोस मे रहने वाले लोगों ने घटना के पहले मृतक दम्पत्ति के पुत्र कमलेश उईके से विवाद होने की बात बताई ओर उसके बाद पीछे के दरबाजे से जंगल की तरफ भागना भी बताया। प्रकरण मे एफएसएल, डॉग स्कॉट, फिंगर प्रिन्ट एक्सपर्ट और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने घटना स्थल का बारिकी से मुआयना कर साक्ष्य संकलित किए। साथ ही आरोपी कमलेश उईके को भी सोहागपुर पुलिस टीम द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया है।

राजस्व, खनिज एवं पुलिस विभाग की संयुक्त कार्रवाई लगातार जारी

अवैध रेत उत्खनन पर जिला प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, मोटरबोट और एक पनडुब्बी जब्त





नर्मदापुरम(यश भारत)

कलेक्टर आशीष वशिष्ठ के निर्देशानुसार जिले में रेत खनिज के अवैध उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध जिला प्रशासन द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में शुक्रवार 06 नवंबर को सिवनी मालवा तहसील में राजस्व, खनिज एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम द्वारा अवैध रेत उत्खनन के विरुद्ध कार्रवाई की गई।

संयुक्त टीम द्वारा ग्राम पथाड़ा, बाबरी, डिमावर एवं भिलाड़िया में निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान रेत का अवैध उत्खनन करते हुए 6 मोटरबोट एवं एक पनडुब्बी जब्त की गई। जब्त किए गए सभी उपकरणों को पुलिस थाना शिवपुर की अभिरक्षा में रखा गया है।

उक्त कार्रवाई में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सिवनी मालवा श्री विजय राय, तहसीलदार श्री नितिन झोड़, नायब तहसीलदार श्री हीरू कुमरे, खनिज अधिकारी दिवेश मरकाम, सहायक खनि अधिकारी श्री सूचि माथुर, खनि निरीक्षक श्री बसंत पाटिल, खनिज सिपाही श हेमंत राज सहित होमगार्ड एवं पुलिस बल के जवान उपस्थित रहे।

जिला प्रशासन द्वारा जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए राजस्व, खनिज एवं पुलिस विभाग की संयुक्त कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

दीपावली एवं छठ महापर्व पर यात्रियों की सुविधा के लिए 24 विशेष ट्रेनों का संचालन

नर्मदापुरम, यशभारत। दीपावली एवं छठ महापर्व के अवसर पर यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए पश्चिम मध्य रेल, भोपाल मंडल द्वारा यात्रियों की सुरक्षित, सुगम एवं सुविधाजनक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं। त्योहारों के दौरान यात्रियों की बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए नवंबर माह में भोपाल मंडल से होकर विभिन्न दिशाओं में कुल 24 विशेष ट्रेनों (12 जोड़ी) का संचालन किया जा रहा है। इन विशेष ट्रेनों के माध्यम से यात्रियों को देश के विभिन्न प्रमुख शहरों एवं धार्मिक स्थलों तक आवागमन की अतिरिक्त सुविधा मिल रही है।त्योहारों के दौरान यात्रियों की अधिक आवाजाही को देखते हुए भोपाल, रानी कमलापति, बीना, गुना एवं इटारसी जैसे प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ किया गया है।

इटारसी नवीन बस स्टैंड से बसों का संचालन शुरू

नर्मदापुरम(यश भारत)



आरटीओ प्रमोद कापसे ने नवीन बस स्टैंड का निरीक्षण कर स्थानीय बस संचालकों से चर्चा की। चर्चा के बाद विगत दिनों से बंद पड़ी सभी स्थानीय बसों का संचालन नवीन बस स्टैंड से पुनः प्रारंभ करा दिया गया है। आरटीओ ने बताया कि शीघ्र ही नवीन बस स्टैंड से रेलवे स्टेशन और बाजार क्षेत्र के लिए ऑटो के निर्धारित किराए की जानकारी जारी की जाएगी। इटारसी से जमानी सहित अन्य मार्गों पर नगर पालिका सीमा के बाहर सवारी ले जाने वाले अवैध ऑटो की लगातार शिकायतें मिल रही थीं, जिससे बस संचालकों को नुकसान हो रहा था। शिकायत पर आरटीओ ने कार्रवाई करते हुए 10 से अधिक अवैध ऑटो जब्त कर पथरौटा थाने में खड़े कराए। स्थानीय बस संचालकों ने भी अवैध ऑटो पर कार्रवाई का अनुरोध किया था ताकि बस स्टैंड संचालन में बाधा न आए। आरटीओ ने कहा कि नगर पालिका क्षेत्र के बाहर सवारी परिवहन करने वाले अवैध ऑटो पर लगातार कार्रवाई जारी रहेगी।

सिराज की उपेक्षा से उठे सवाल

कहीं 2027 एक दिवसीय विश्वकप की योजनाओं से तो बाहर नहीं हुए



ऑकलैंड (ईएमएस)। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को न्यूजीलैंड के खिलाफ ऑकलैंड में खेले गए पहले एकदिवसीय मुकाबले के लिए भारतीय टीम में जगह नहीं मिलने से जहां प्रशंसकों को हैरानी हुई वहीं इससे कुछ सवाल भी उठने लगे हैं। जसप्रीत बुमराह के इस सीरीज में नहीं खेलने से सिराज ही सबसे अनुभवी गेंदबाज हैं। फिर भी उन्हें अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिलने से आशंका हो रही है कि कहीं उन्हें अगले एकदिवसीय विश्वकप के लिए टीम योजनाओं से बाहर तो नहीं रखा जा रहा। ये भी सवाल उठ रहा है कि क्या टीम प्रबंधन अब भविष्य की योजनाओं में नए तेज गेंदबाजों को प्राथमिकता दे रहा है और सिराज की अहमियत कम होती जा रही है? यह स्थिति एक ऐसे खिलाड़ी के लिए है जो पिछले कई वर्षों से भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रमण का हिस्सा रहा है। गौरतल है कि सिराज ने तीनों प्रारूपों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है और 2023 एकदिवसीय विश्व कप में भी टीम के सदस्य थे, जहां उन्होंने अपनी सटीक गेंदबाजी और विकेट लेने की क्षमता से अहम योगदान दिया था। इसके बावजूद, उन्हें हाल के एकदिवसीय मुकाबलों में नियमित अवसर नहीं मिल रहे हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले मैच में उनकी जगह आकिब नबी, अंशुल कंबोज, गुरनूर बरार और अर्शदीप सिंह जैसे अनकैप्ड युवा गेंदबाजों को मौका दिया गया, जिसने उनकी भूमिका और टीम में उनकी स्थिति पर सवालिया निशान लगने लगे हैं। हालांकि, सिराज को बाहर रखने की एक तात्कालिक व्यावहारिक वजह न्यूजीलैंड के क्राइस्टचर्च में अनौपचारिक टेस्ट मैच का हिस्सा होना हो सकती है, जो तीन नवंबर को समाप्त हुआ था। इसके अगले ही दिन एकदिवसीय मुकाबला खेला गया, और तेज गेंदबाजों के कार्यभार प्रबंधन व रिकवरी को ध्यान में रखते हुए उन्हें आराम देना एक तर्कसंगत कदम प्रतीत होता है। लेकिन यह कारण केवल न्यूजीलैंड के पहले मैच तक सीमित नजर आता है। सितंबर-अक्टूबर 2026 में वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में भी सिराज को शुरुआती दो मुकाबलों में जगह नहीं मिली थी। उन्हें सिर्फ तीसरे मैच में खेलने का अवसर मिला, जहां उन्होंने आठ ओवर में 52 रन देकर एक विकेट हासिल किया। रिपोर्टों के मुताबिक, उन्हें प्रसिद्ध कृष्णा के चोटिल होने के बाद ही टीम में शामिल किया गया था। इस बात ने उन अटकलों को और हवा दी है कि क्या वह टीम प्रबंधन की पहली पसंद नहीं रह गए हैं। गौरतलब है कि भारतीय टीम 2027 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए निश्चित रूप से नए तेज गेंदबाजों को तैयार करना चाहती है। यह रणनीति भविष्य के लिए विकल्पों को बढ़ाने के लिहाज से सही हो सकती है, लेकिन सिराज जैसे अनुभवी और स्थापित गेंदबाज को लगातार बाहर रखने से उनके आत्मविश्वास पर नकारात्मक असर पड़ सकता है, साथ ही 2027 विश्व कप में उनकी भागीदारी की संभावनाओं को भी धुंधला कर सकता है।

बड़े स्कोर भी अब जीत की गारंटी नहीं रहे





400 से अधिक रनों के बाद भी हारी हैं टीमें

मुम्बई (यशभारत)। एकदिवसीय रि केट में एक समय बड़े स्कोर बनाने पर किसी भी टीम की जीत तय मानी जाती थी पर आज आधुनिक रि केट इतना बदल गया है कि 400 से अधिक रन भी जीत की गारंटी नहीं रह गये हैं। इसका एक बड़ा कारण टी20 प्रारुप आने के बाद आ मक बल्लेबाजी होने के साथ ही छोटी बाउंड्री को भी माना जा रहा है। रि केट इतिहास में अब ऐसे कई मुकाबले दर्ज हैं, जहां टीमें बड़े लक्ष्य के बाद भी हारी हैं। यहां तक कि ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और इंग्लैंड जैसी टीमों को भी उलटफेर का सामना करना पड़ा है। जिसने साबित किया कि अब रि केट में कोई भी स्कोर अंतिम नहीं माना जा सकता है

ऐसा ही एक अप्रत्याशित मुकाबला साल 2006 में जोहान्सबर्ग में ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेला गया था। तब ऑस्ट्रेलिया ने कप्तान रिकी पोंटिंग की तूफानी बल्लेबाजी से 4 विकेट पर 434 रन बनाये थे। उस समय यह एकदिवसीय इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर था और ऑस्ट्रेलियाई खेमे को अपनी जीत लगभग पक्की लग रही थी। लेकिन दक्षिण अफ्रीका ने असंभव को संभव कर दिखाया। लक्ष्य का पीछा करते हुए ग्रीम स्मिथ के 90 रन और हर्शल गिब्स के 175 रनों की सहायता से अफ्रीकी टीम ने जीत का आधार बनाया। मार्क बाउचर और जोहान वान डर वाथ ने भी अंत में अहम योगदान दिया और दक्षिण अफ्रीका ने एक गेंद शेष रहते 438 रन बनाकर यह मुकाबला जीत लिया। यह लक्ष्य का पीछा करते हुए आज भी एकदिवसीय इतिहास के सबसे यादगार और रोमांचक मामलों में गिना जाता है।

सिर्फ यही नहीं, हाल के वर्षों में भी ऐसे कई रोमांचक और विशाल स्कोर वाले मुकाबले देखने को मिले हैं। उदाहरण के लिए, कुछ समय पहले हुए एक मैच में इंग्लैंड ने 4 विकेट पर 429 रन बनाए थे पर विरोधी टीम ने एक गेंद शेष रहते 430 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया। हैरी ब्रूक के दोहरे शतक के बावजूद, विपक्षी बल्लेबाज के शतक और दासुन शनाका की 97 रन की तेज पारी इंग्लैंड पर भारी पड़ी। इसी तरह, भारत और वेस्टइंडीज के बीच गुवाहाटी में हुए एक मुकाबले में वेस्टइंडीज ने 405 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया, लेकिन भारतीय टीम ने रोहित शर्मा के 101 और शुभमन गिल के रिकॉर्ड 223 रनों की बदौलत 44वें ओवर में ही इस विशाल लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल कर लिया।

इसके अलावा कभी-कभी बारिश और डकवर्थ-लुईस नियम भी जीत के समीकरण को पूरी तरह बदल देते हैं। 2023 विश्व कप में न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान के खिलाफ 401 रनों का बड़ा स्कोर बनाया था। हालांकि, बारिश के कारण मैच बाधित हुआ और डकवर्थ-लुईस नियम लागू होने पर पाकिस्तान ने 21 रनों से जीत दर्ज की, जबकि कीवी टीम ने एक विशाल स्कोर खड़ा किया था। ये सभी मुकाबले इस बात का प्रमाण हैं कि आधुनिक एकदिवसीय क्रिकेट में कोई भी स्कोर, चाहे वह कितना भी बड़ा क्यों न हो, हमेशा जीत की गारंटी नहीं होता। बल्लेबाजों की आक्रामक मानसिकता और पिच की बदलती प्रकृति ने क्रिकेट को और भी रोमांचक बना दिया है, जहाँ अंतिम गेंद तक परिणम बदल सकता है।

हार्दिक अगले एक सत्र तक आईपीएल में कप्तानी न करें : रायुडू



मुम्बई (यशभारत)। ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या के आईपीएल 2027 में मुम्बई इंडियंस छोड़कर चेन्नई सुपरकिंग्स या पंजाब जाने की अटकलों के बीच ही पूर्व भारतीय बल्लेबाज अंबाती रायुडू ने कहा है हार्दिक जिस भी टीमें में जायें ध्यान रखें कि अगले एक सत्र तक कप्तानी से दूर रहें। रायुडू के अनुसार हार्दिक के लिए सुपर किंग्स या पंजाब किंग्स में जाना बेहतर विकल्प रहेगा पर उन्हें कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) में नहीं जाना चाहिये। इसका कारण है कि केकेआर को अभी कप्तान की जरुरत है और पांड्या अगर वहां जाते हैं तो उन्हें कप्तानी संभालनी पड़ेगी जिससे उनपर अनावश्यक बोझ आ जाएगा। अभी जिस स्थिति में वह है उसमें टीम की जिम्मेदारी संभालना हार्दिक के लिए आसान नहीं होगा। इसके विपरीत, रायुडू का मानना है कि चेन्नई या पंजाब में हार्दिक पर कप्तान का भार नहीं रहेगा जिससे वह अपने खेल पर ही ध्यान दे सकेंगे। रायुडू ने पिछले आईपीएल सत्र में मुंबई इंडियंस के ड्रेसिंग रूम में हार्दिक की कमजोर स्थिति को लेकर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि हार्दिक वहां अपने को एक कोने में धकेला हुआ महसूस कर रहे थे। इस तरह की असहजता का असर खिलाड़ी के व्यवहार और मैदान पर उसके प्रदर्शन पर भी पड़ सकता है। साथ ही कहा कि जब ड्रेसिंग रूम का माहौल सही नहीं होता, तो खिलाड़ी कई बार ऐसे तरीके से प्रतिक्रिया दे सकता है, जैसा वह स्वयं भी नहीं चाहता। रायुडू ने संकेत दिया कि हार्दिक के लिए मुंबई में कई चीजें सही नहीं रहीं, जिसके लिए उनकी अपनी गलतियां भी हो सकती हैं या कुछ अन्य कारण भी।वहीं रायुडू ने साफ किया कि अगर हार्दिक पांड्या मुंबई इंडियंस के साथ बने रहते हैं, तब भी उन्हें कप्तानी की भूमिका नहीं निभानी चाहिए। उनका सुझाव है कि हार्दिक को केवल अपने खेल पर ध्यान देना चाहिए, समय का आनंद लेना चाहिए और मुंबई के लिए एक मैच विजेता के तौर पर प्रदर्शन करना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि अगर हार्दिक किसी दूसरी टीम में भी जाते हैं, तो कम से कम एक सत्र के लिए उन्हें कप्तानी से दूर रहना चाहिए ताकि वे नए माहौल में सहज हो सकें और अपने खेल को निखार सकें।

12 नवंबर से हरियाणा में होगी अंतरराष्ट्रीय गोल्फ चैम्पियनशिप

नई दिल्ली (ईमएस)। भारत में अब गोल्फ की एक बड़ी अंतरराष्ट्रीय चैम्पियनशिप का आयोजन होने जा रहा है। जिससे इस खेल के प्रशंसकों को अब दुनियाभर के दिग्गज खिलाड़ियों को देखने का अवसर मिलेगा। हरियाणा के नूंह में स्थित तरुधन वैली में 12 नवंबर से इंडिया इंटरनेशनल पिच एंड पट ओपन गोल्फ-2026 का आयोजन होगा। इस प्रतियोगिता में 14 देशों के 56 विदेशी खिलाड़ियों के साथ ही 16 भारतीय खिलाड़ियों सहित कुल 72 गोल्फर भाग लेंगे। भारत के 16 खिलाड़ी इसमें उतरेंगे। इस आयोजन को पिच एंड पट की वैश्विक संस्था फेडरेशन ऑफ इंटरनेशनल पिच एंड पट एसोसिएशंस (एफआईपीपीए) की मान्यता मिली है, जिससे इसका अंतरराष्ट्रीय महत्व और बढ़ गया है। इस टूर्नामेंट में भारतीय खिलाड़ियों को भी विदेशी गोल्फरों के साथ प्रतिस्पर्धा करने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अच्छा अवसर मिलेगा। 14 देशों के खिलाड़ियों के शामिल होने से देश में इस खेल की लोकप्रियता भी बढ़ेगी। इसी को देखते हुए इंडियन पिच एंड पट एसोसिएशन (आईपीपीए) के अध्यक्ष मुनीष अरोड़ा ने कहा कि 14 देशों के खिलाड़ियों की भागीदारी भारत में पिच एंड पट की बढ़ती लोकप्रियता को दिखाती है।

रंग संसार



जूही चावला ने किया तब्बू की जमकर तारीफ

मुंबई (यशभारत)। अभिनेत्री जूही चावला ने अपनी सहकर्मी और दोस्त तब्बू को उनके जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर तब्बू की प्रशंसा करते हुए पूछा कि वे समय के साथ हर चीज में इतनी बेहतर कैसे होती जा रही हैं। यह टिप्पणी तब्बू की अभिनय क्षमता और उनकी कालातीत सुंदरता को रेखांकित करती है, जिस पर उनके सहकर्मी भी मोहित हैं। जूही ने तब्बू को गले लगाते हुए एक प्यारी सी तस्वीर साझा की और माइक्रो-ब्लॉगिंग ऐप पर लिखा, जन्मदिन मुबारक हो तब्बू..!! कुछ लोग बूढ़े होते हैं, कुछ लोग विकसित होते हैंज और फिर आप हैं, जो चुपचाप हर चीज में बेहतर होती जा रही हैं और हमें बताने से इनकार करती हैं कि कैसे.. ढेर सारा प्यार..!! यह संदेश तब्बू की समय के साथ निखरती प्रतिभा और उनकी अद्वितीय उपस्थिति को दर्शाता है, जो उन्हें समकालीन सिनेमा में एक खास मुकाम दिलाती है। कम लोगों को पता होगा कि जूही और तब्बू ने 2001 की कॉमेडी फिल्म आमदनी अठन्नी खर्चा रुपैया में साथ काम किया था। इस फिल्म में इन दोनों के अलावा, गोविंदा, चंद्रचूड़ सिंह, जॉनी लीवर, ईशा कोप्पिकर, विनय आनंद और केतकी दवे जैसे कलाकार भी मुख्य भूमिकाओं में शामिल थे। के. राघवेंद्र राव के निर्देशन में बनी यह फिल्म वी. शेखर द्वारा निर्देशित तमिल फिल्म विरालुक्केथा वीक्रम का रीमेक थी।

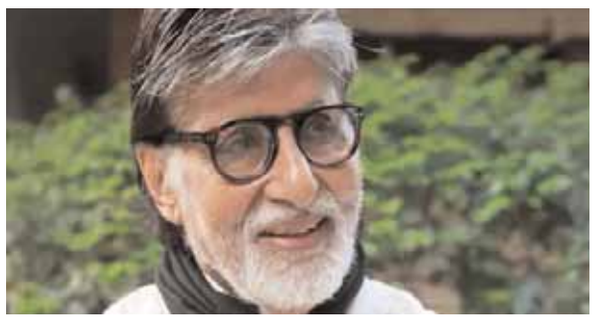
यह उस दौर की एक लोकप्रिय फिल्म थी, जिसमें दोनों अभिनेत्रियों ने अपने-अपने किरदारों को बखूबी निभाया था। तब्बू के 55वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में, उनकी अगली फिल्म किंग 100 के निर्माताओं ने ड्रामा से उनका फर्स्ट-लुक पोस्टर भी जारी किया है. जिससे उनके प्रशंसकों में उत्साह बढ़ गया है। उनकी सह-कलाकार नागार्जुन अक्किनेनी ने भी तब्बू को जन्मदिन की विशेष शुभकामनाएं देते हुए अपने आधिकारिक हैंडल पर लिखा, प्रिय तब्बू को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं!

400 से ज्यादा भोजपुरी फिल्मों में अभिनय का लोहा मनवा चुकी *रानी चटर्जी*



मुम्बई (यशभारत)। मशहूर भोजपुरी अभिनेत्री रानी चटर्जी ने हाल ही में अपना 37वां जन्मदिन मनाया। करीब 400 से अधिक भोजपुरी फिल्मों में अभिनय का लोहा मनवा चुकी रानी आज एक ऐसा नाम बन गई हैं जो भोजपुरी सिनेमा की पहचान है। लाखों दिलों पर राज करने वाली इस अभिनेत्री का असल नाम रानी चटर्जी नहीं, बल्कि सबीहा शेख है। सबीहा का जन्म 3 नवंबर 1989 को मुंबई के एक मुस्लिम परिवार में हुआ था। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा भी यहीं से पूरी की थी। वर्ष 2004 में सबीहा शेख ने फिल्म ससुरा बड़ा पइसावाला से अभिनय की दुनिया में कदम रखा था, जहाँ उन्होंने दिग्गज अभिनेता मनोज तिवारी के साथ स्क्रीन साझा की। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई और मनोज तिवारी तथा सबीहा शेख की जोड़ी को दर्शकों ने भरपूर प्यार दिया। इसी पहली फिल्म की शूटिंग के दौरान ही उनकी जिंदगी में एक बड़ा बदलाव आया। फिल्म में एक मंदिर का दृश्य फिल्माया जा रहा था, और कुछ धार्मिक भावनाओं को ध्यान में रखते हुए, निर्देशकों ने उन्हें अपना स्क्रीन नाम बदलने का सुझाव दिया। इसी पल सबीहा शेख, रानी चटर्जी बन गईं और यह नाम आज भोजपुरी सिनेमा के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित हो चुका है। अपनी पहली फिल्म से मिली अपार सफलता और पहचान के बाद रानी ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। उन्होंने लगातार एक के बाद एक कई सफल फिल्मों में काम किया, जिससे उनकी लोकप्रियता बढ़ती चली गई। उनकी कुछ उल्लेखनीय फिल्मों में नागिन, देवरा बड़ा सतावेला, गंगा यमुना सरस्वती, रानी नंबर 786, दरिया दिल, रानी बनल ज्वाला, घरवाली बाहरवाली, रियल इंडियन मदर, रानी वेड्स राजा, लेडी सिंघम, दूल्हा नाचा गली गली, श्रीमान श्रीमती, शेरनी, परिणय सूत्र, हां मैंने भी प्यार किया था, और नौकरानी बनी महारानी जैसी फ़िल्में शामिल हैं.





मन तैयार पर शरीर कहता है थोड़ा ठहर जाओः अमिताभ बच्चन

मुम्बई (यशभारत)। हाल ही में सदी के महानायक अमिताभ बच्चन ने अपनी सेहत, नींद और फिटनेस को लेकर अपने ब्लॉग पर कुछ बहुत ही निजी और मार्मिक बातें साझा की हैं। महानायक ने बताया कि उम्र के इस पड़ाव पर वह एक बार फिर से नियमित रूप से जिम जाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन अब उनका शरीर पहले जैसी फुर्ती से साथ नहीं दे पा रहा है। उन्होंने बताया कि इन दिनों उन्हें कभी-कभी रात में नींद आने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। अमिताभ ने अपनी स्थिति को स्पष्ट करते हुए कहा कि व्यायाम करने के लिए उनका मन तो पूरी तरह से तैयार रहता है और हाँ कहता है, लेकिन उनका शरीर उन्हें थोड़ा आराम करने का इशारा देता है और रुक जाओ कहता है। अमिताभ बच्चन ने अपने ब्लॉग में सुबह जल्दी उठने से लेकर अपने दैनिक लेखन के दौरान आने वाली परेशानियों तक का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि पिछली रात ब्लॉग पूरा न कर पाने की बात उनके मन में लगातार चलती रही, जिसके चलते वह सुबह जल्दी उठ गए और रात भर उनकी नींद बाधित रही। इसके साथ ही, उन्होंने ब्लॉग लिखते समय अक्षरों का फॉन्ट साइज बदलने में आ रही तकनीकी परेशानी भी साझा की और पाठकों से मदद मांगी। उन्होंने लिखा, ब्लॉग लिखते समय अभी भी अक्षरों का फॉन्ट साइज बदलने में परेशानी हो रही है। अगर किसी को इसका तरीका पता है तो मुझे समझाएं। मैंने गूगल पर भी देखा, लेकिन वहां दिए गए निर्देश समझ नहीं आए।

हम एक-दूसरे के लिए बेहतर बनना सीख रहे हैं : जिया शंकर

मुम्बई (यशभारत)। पिछले कई दिनों से अभिनेत्री जिया शंकर अपने मंगेतर करण धनक के साथ अनबन और सगाई टूटने की खबरें सोशल मीडिया पर तेजी से फैल रही थीं। इस बारे में अब अभिनेत्री ने स्वयं सोशल मीडिया पर एक भावुक और विस्तृत नोट साझा कर अपने रिश्ते की वास्तविक स्थिति को स्पष्ट कर दिया है। अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर जिया ने करण धनक के साथ कुछ प्यारी तस्वीरें पोस्ट करते हुए बताया कि एक जोड़े के रूप में वे कैसे आगे बढ़ रहे हैं और उनके रिश्ते की सच्चाई क्या है। अपने नोट में जिया ने बहुत ही ईमानदारी से लिखा, अगर किसी ने आपको नहीं बताया कि एक साथ रहना सीखते हुए जिंदगी कितनी मुश्किल हो जाती है, तो मैं बताना चाहती हूं कि ये कोई बॉलीवुड फिल्म नहीं है। उन्होंने आगे स्पष्ट किया कि ज्यादातर कपल्स की तरह हम भी एक-दूसरे से बहुत प्यार करते हैं लेकिन कभी-कभी हमारे बीच बहुत झगड़े भी होते हैं और हम बस एक-दूसरे के लिए बेहतर बनना सीख रहे हैं। जिया ने इस बात पर जोर दिया कि वे परफेक्ट नहीं हैं, बल्कि वे केवल इंसान हैं, जिन्हें एक-दूसरे से प्यार हुआ और उन्होंने एक-दूसरे को चुना। उन्होंने यह भी लिखा कि वे सबसे अच्छे दोस्त हैं और अंत में बस यही उम्मीद करते हैं कि वे सब कुछ समझ जाएं और इस जिंदगी में साथ-साथ आगे बढ़ें। यह संदेश उनके रिश्ते की गहराइयों और चुनौतियों को दर्शाता है, जिसे वे सार्वजनिक रूप से स्वीकार करने से नहीं कतरा रही थीं। अपनी निजी जिंदगी को लेकर चल रही अटकलों पर बात करते हुए जिया ने एक महत्वपूर्ण घोषणा की। उन्होंने लिखा, मैं आगे से इस बात का ज्यादा ध्यान रखूंगी कि मैं सोशल मीडिया पर क्या शेयर करती हूं, ताकि किसी भी तरह की अटकलों या बेबुनियाद अफवाहों के लिए कोई जगह न रहे। उन्होंने दृढ़तापूर्वक कहा कि उनके मंगेतर या उनके रिश्ते के बारे में जो कुछ भी कहा गया है, उसमें बिल्कुल भी सच्चाई नहीं है। यह बयान उन सभी अफवाहों को खारिज करता है जो उनके ब्रेकअप को लेकर फैलाई जा रही थीं।



बुजुर्ग महिला हत्याकांडः वीआईपी गेस्ट हाउस के सामने शव रखकर रहवासियों ने किया चक्का जाम

भोपाल, यशभारत।

राजधानी के शाहजहानाबाद इलाके की वाजपेयी नगर मल्टी में 75 वर्षीय कलरी देवी की सनसनीखेज हत्या और लूट के मामले में जनता का आक्रोश फूट पड़ा है। आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी और कड़ी सजा की मांग को लेकर आज हजारों की संख्या में स्थानीय रहवासी और परिजन सड़कों पर उतर आए हैं। प्रदर्शनकारियों ने इंदौर-भोपाल रोड पर वीआईपी गेस्ट हाउस के सामने शव रखकर चक्का जाम कर दिया है, जिससे मार्ग पर भारी जाम लग गया है। हालात की गंभीरता को देखते हुए मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है।





सोने के गहनों के साथ सोने का दांत भी ले गए बदमाश

गौरतलब है कि मृतका के फ्लैट में घुसकर शातिर बदमाशों ने इस वीभत्स वारदात को अंजाम दिया था। महिला के गले पर गंभीर चोट के निशान मिले हैं। शुरुआती जांच में सामने आया है कि बदमाश पैरों की पायल, हाथ के कड़े, गले का हार, पैरों की बिछिया के साथ-साथ उनका सोने का दांत भी निकालकर ले गए हैं, जिससे यह स्पष्ट है कि हत्या का मुख्य उद्देश्य लूटपाट करना था।

एसआईटी गठित, 10 हजार का इनाम और करीबी पर शक

घटना की गंभीरता को देखते हुए भोपाल पुलिस कमिश्नर संजय कुमार ने शाहजहानाबाद एसीपी की निगरानी में एक विशेष जांच दल का गठन किया है। साथ ही, पुलिस ने आरोपियों का सुराग देने या गिरफ्तारी में मदद करने वालों के लिए 10 हजार रुपए के इनाम की घोषणा की है। पुलिस कमिश्नर के अनुसार, जिस वक्त वारदात को अंजाम दिया गया, उस समय बुजुर्ग महिला घर में अकेली थीं, जिसे देखकर पुलिस को अंदेशा है कि इसमें किसी करीबी का हाथ हो सकता है। मौके पर पहुंचे पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी आक्रोशित लोगों को समझाने और जल्द से जल्द आरोपियों को सलाखों के पीछे भेजने का आश्वासन देने में जुटे हैं।

एमडी ड्रग्स के साथ तस्कर गिरफ्तार, बुधवारा के सप्लायर की तलाश तेज

भोपाल, यशभारत। राजधानी में नशे के कारोबार पर नकेल कसने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कोहेफिजा थाना पुलिस ने एमडी ड्रग्स की तस्करी करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से करीब 30 हजार रुपए कीमत की 5.30 ग्राम एमडी ड्रग्स जब्त की है। पूछताछ में मुख्य तस्कर के रूप में बुधवारा के एक युवक का नाम सामने आया है, जिसकी तलाश की जा रही है। थाना प्रभारी निरीक्षक लोकेन्द्र सिंह ठाकुर की टीम क्षेत्र के स्नूकर क्लब, हुक्का बार, बियर बार, रेस्टोरेंट, जिम और पूर्व में चिन्हित हाट-स्पॉट्स पर लगातार चेकिंग कर रही थी।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार चेकिंग के दौरान 05 नवंबर को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक संदिग्ध लड़का एमडी ड्रग्स बेचने के लिए मनुआभावन टेकरी जाने वाले सुनसान रास्ते पर खड़ा है। वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना से अवगत कराकर पुलिस टीम ने तत्काल मनुआभावन टेकरी के पास घेराबंदी की और संदेही को दबोच लिया। पकड़े गए आरोपी की पहचान राकेश यादव (38 वर्ष) पिता किशन यादव, निवासी इंद्रविहार कॉलोनी, लालघाटी एयरपोर्ट रोड, कोहेफिजा, भोपाल के रूप में हुई है। तलाशी लेने पर उसके पास बने 4 छोटे पैकेटों में कुल 5.30 ग्राम एमडी ड्रग्स मिली। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। उसे न्यायालव में पेश किया जाएगा। पुलिस पूछताछ में आरोपी राकेश यादव ने खुलासा किया कि वह अपने दोस्त यश यादव निवासी बुधवारा से ड्रग्स लेकर आता था। इसके बाद वह इसे इंद्रविहार, सनकटी और सीटीओ के आसपास नशे के आदी लोगों को बेचता था। आरोपी ने खुद भी कभी-कभार ड्रग्स का सेवन करने की बात कबूली है। पुलिस अब ड्रग्स सप्लाई नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुट गई है।



भोपाल में सफाई व्यवस्था पटरी पर लाने की चुनौती

हड़ताल तो थमी, पर शहर की रगों में फैला कचराः जानिए क्या है भोपाल नगर निगम के सामने सबसे बड़ा संकट

भोपाल, यशभारत। राजधानी भोपाल में तीन दिनों तक चली सफाई कर्मचारियों की हड़ताल भले ही मुख्यमंत्री के साथ बनी सहमति के बाद समाप्त हो गई हो और कर्मचारी काम पर लौट आए हों, लेकिन शहर की सड़कों, चौराहों और कॉलोनियों से गंदगी का साम्राज्य हटाने में नगर निगम के पसीने छूट रहे हैं। हड़ताल के दौरान ठप रही व्यवस्था के कारण शहर में करीब 2550 टन कचरे का महा-पहाड़ खड़ा हो गया है, जो अब स्थानीय प्रशासन और नागरिकों दोनों के लिए गंभीर चिंता का विषय बन गया है।

दोहरी चुनौतीः नया कचरा उठाएं या पुराना ढेर साफ करें?

नगर निगम के सामने इस समय सबसे बड़ा तकनीकी और प्रबंधकीय संकट यह है कि वह अपनी सीमित संसाधन क्षमता का उपयोग किस कार्य में पहले करे। सामान्य दिनों में भोपाल की आबादी से प्रतिदिन लगभग 800 से 850 टन कचरा निकलता है, जिसे उठाने के लिए 400 से अधिक वाहन और 17 गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन दिन-रात काम करते हैं। चूंकि तीन दिनों तक पहिए पूरी तरह थमे रहे, इसलिए कुल मिलाकर लगभग 2550 टन कचरा गलियों और सड़कों के किनारे डस्टबिनों से बाहर फैल चुका है। अब निगम के सामने विकट स्थिति यह है कि यदि गाड़ियां पुराना कचरा हटाने में लगाई जाती हैं, तो हर घर से रोजाना निकलने वाला नया 850 टन कचरा सड़कों पर और अधिक दबाव बढ़ा देगा। वहीं, यदि केवल नियमित कलेक्शन पर जोर दिया गया, तो पुराना कचरा सड़ने लगेगा और उससे गंभीर संक्रमण व दुर्गंध फैलने का खतरा कई गुना बढ़ जाएगा।

त्योहारी सीजन और अतिसंवेदनशील इलाके बने हॉटस्पॉट

दीपावली और धनतेरस के इस सीज़न में बाजारों, मुख्य मार्गों और रिहायशी क्षेत्रों में पहले से ही कचरे का भारी दबाव था। हड़ताल का सबसे बुरा असर चार इमली, अरेरा कॉलोनी, दस नंबर मार्केट, गुलमोहर, शाहपुरा, बावड़ियाकलां, न्यू मार्केट, बुधवारा, कोलार रोड और मंत्रालय-विंध्याचल भवन के आसपास के वीआईपी और घनी आबादी वाले इलाकों में देखा गया। कई जगहों पर स्थिति इतनी बदतर हो गई कि लोगों को मजबूरन कचरे के ढ?रों में आग तक लगानी पड़ी, जिससे वायु प्रदूषण और पर्यावरण का स्तर भी बिगड़ गया।

व्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए कड़े कदम जरूरी

विशेषज्ञों का मानना है कि इस तात्कालिक संकट से पार पाने के लिए नगर निगम को सामान्य कार्यप्रणाली से हटकर विशेष रणनीति अपनानी होगी। इसके तहत वार्डवार अतिरिक्त शिफ्टों का संचालन, वाहनों के अतिरिक्त फेरे लगवाना और युद्ध स्तर पर मैनपावर बढ़ाना अनिवार्य होगा। हालांकि, हड़ताल टूटने के तुरंत बाद ज़मीन पर कितने अतिरिक्त वाहन उतारे गए हैं।

मध्यप्रदेश विधानसभा का द्वादश सत्र 7 दिसंबर से होगा शुरू

पांच दिवसीय सत्र 11 दिसंबर तक चलेगा, अशासकीय विधेयकों और संकल्पों की सूचना के लिए समय-सीमा तय



भोपाल,यश भारत। मध्यप्रदेश की सोलहवीं विधानसभा का द्वादश सत्र 7 दिसंबर से शुरू होकर 11 दिसंबर 2026 तक चलेगा। राज्यपाल के आदेश के अनुपालन में विधानसभा सचिवालय ने सत्र आहूत किए जाने संबंधी अधिसूचना जारी कर दी है। पांच दिवसीय इस सत्र में महत्वपूर्ण शासकीय कार्यों के साथ अशासकीय कार्य भी संपादित किए जाएंगे। विधानसभा सचिवालय के अनुसार अशासकीय विधेयकों की सूचनाएं 11 नवंबर तक तथा अशासकीय संकल्पों की सूचनाएं 26 नवंबर तक प्राप्त की जाएंगी। वहीं, स्थगन प्रस्ताव, ध्यानाकर्षण प्रस्ताव और नियम 267 क के तहत सूचनाएं 1 दिसंबर से विधानसभा सचिवालय में जमा की जा सकेंगी। इनके लिए कार्यालयीन समय सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक निर्धारित किया गया है। उल्लेखनीय है कि यह सोलहवीं मध्यप्रदेश विधानसभा का बारहवां सत्र होगा। सत्र के दौरान प्रदेश से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर सदन में चर्चा और विधायी कार्यवाही होगी।

क्रेन की मदद से हटवानी पड़ी बस, मध्यप्रदेश सरकार की ई-बस सेवा की गुणवत्ता पर आम जनता ने उठाए सवाल

बोर्ड ऑफिस चौराहे पर बीच सड़क खराब हुई ई-बस

भोपाल,यश भारत।



मध्यप्रदेश सरकार द्वारा संचालित ई-बस सेवा की व्यवस्था पर उस समय सवाल खड़े हो गए जब बोर्ड ऑफिस चौराहे पर एक ई-बस अचानक खराब होकर बीच सड़क पर खड़ी हो गई। बस की हालत ऐसी हो गई कि उसे अपने आप हटाना संभव नहीं था। आखिरकार क्रेन की मदद से बस को खींचकर सड़क किनारे लगवाना पड़ा। चौराहे जैसे व्यस्त इलाके में ई-बस के खराब होने से लोगों का ध्यान इस ओर आकर्षित हुआ। मौके पर मौजूद लोगों ने बस की तकनीकी स्थिति और रखरखाव को लेकर कई सवाल उठाए। आम जनता का कहना है कि जब सरकार आधुनिक और सुविधाजनक सार्वजनिक परिवहन सेवा के नाम पर ई बसें चला रही है तो उनकी तकनीकी गुणवत्ता और नियमित मेंटेनेंस पर भी विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए।

लोगों ने सवाल उठाया कि आखिर नई तकनीक से संचालित ई-बसें बीच सड़क पर क्यों खराब हो रही हैं क्या बसों की नियमित जांच की जा रही है यात्रियों की सुरक्षा और सार्वजनिक परिवहन की विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार विभाग क्या कदम उठा रहा है बोर्ड ऑफिस चौराहे की इस घटना ने ई-बस सेवा के रखरखाव और संचालन व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब देखना होगा कि संबंधित विभाग इस मामले को कितनी गंभीरता से लेता है और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए क्या कदम उठाता है।

भोपाल पुलिस ने 101 परिवारों को लौटाईं खुशियां, 70 लाख से अधिक के 101 गुम मोबाइल बरामद

भोपाल,यशभारत।



धनतेरस और दीपावली के पावन पर्व पर राजधानी की नगरीय पुलिस ने आम नागरिकों को बड़ा तोहफा दिया है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के निर्देशन में संपत्ति संबंधी अपराधों पर नियंत्रण और गुम मोबाइलों की शत-प्रतिशत बरामदगी के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत निशातपुरा और बैरागढ़ थाना पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। दोनों थानों की पुलिस टीमों ने संयुक्त रूप से तकनीकी ट्रैकिंग के जरिए कुल 101 गुम हुए मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक मालिकों के सुपुर्द कर दिए हैं। त्यौहार के मौके पर अपने खोए हुए मोबाइल वापस पाकर नागरिकों के चेहरे खिल उठे और उन्होंने भोपाल पुलिस की मुस्तैदी और जनसेवा की सराहना की।

बैरागढ़ पुलिस ने 6.15 लाख के 31 मोबाइल किए सुपुर्द

बैरागढ़ थाना पुलिस ने सीईआईआर पोर्टल की तकनीकी सहायता, आईएमईआई नंबरों की ट्रैकिंग और डेटा विश्लेषण के आधार पर वर्ष 2024, 2025 और 2026 के दौरान गुम हुए 31 मोबाइल फोन ट्रेस किए। बरामद किए गए इन मोबाइलों की कुल अनुमानित कीमत 6,15,864 रुपये है। थाना प्रभारी बैरागढ़ अशोक गौतम के नेतृत्व में आरक्षक आशीष यादव, दुर्गेश राज सिलावट, भोपाल आर्य तथा जोन-04 कार्यालय के प्रधान आरक्षक अभिषेक सिंह एवं आरक्षक बबन राठौर की टीम ने इस अभियान को सफल बनाया।

निशातपुरा पुलिस ने धनतेरस पर 70 परिवारों के चेहरे पर लौटाई मुस्कान

उधर, निशातपुरा थाना पुलिस ने भी विशेष अभियान के तहत त्वरित कार्रवाई करते हुए अलग-अलग क्षेत्रों से गुम हुए 70 नागरिकों के मोबाइल फोन खोज निकाले। धनतेरस के अवसर पर आयोजित विशेष कार्यक्रम में निशातपुरा अनुभाग के सहायक पुलिस आयुक्त शशांक जैन, थाना प्रभारी निशातपुरा मनो

धनतेरस पर मिठाई दुकानों और होटलों में चलित न्यायालय की दबिश, एक्सपायरी खाद्य सामग्री जब्त

न्यायिक मजिस्ट्रेट तरुणेन्द्र प्रताप सिंह के नेतृत्व में हुई कार्रवाई

भोपाल, यश भारत।



दीपावली पर्व पर मिलावटी और एक्सपायरी खाद्य सामग्री की बिक्री रोकने के लिए भोपाल में चलित न्यायालय ने व्यापक कार्रवाई की। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी एवं विशेष नगर निगम मजिस्ट्रेट तरुणेन्द्र प्रताप सिंह के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने शहर के विभिन्न मिठाई प्रतिष्ठानों होटल और रेस्टोरेंट का निरीक्षण किया। नेहरू नगर स्थित आशा स्वीट्स से रबड़ी और पनीर के नमूने लिए गए। यहां एक्सपायरी खाद्य सामग्री मिलने पर खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत प्रकरण तैयार किया गया। मधुराम स्वीट्स से मावा, पनीर और ड्राई फ्रूट्स के नमूने लिए गए जबकि एक्सपायरी नारियल बूरे के 10 पैकेट नष्ट कराए गए। जवाहर चौक स्थित अनुपम स्वीट्स एंड रेस्टोरेंट में भी एक्सपायरी कोल्ड ड्रिंक्स, जूस और अन्य खाद्य सामग्री मिलने पर उन्हें नष्ट कराया गया। वीआईपी रोड स्थित सुरवाना रेस्टोरेंट से बूंदी का नमूना लिया गया। जीवाना वेलनेस के गागर से कलाकंद तथा अन्य प्रतिष्ठानों से ब्रेड और फलाफल के नमूने संग्रहित किए गए।

दीवाना रिजॉर्ट के किचन में शाकाहारी और मांसाहारी खाद्य सामग्री एक साथ रखी मिली। यहां संदिग्ध एवं खराब नॉनवेज सामग्री को नष्ट कराया गया। न्यू मार्केट स्थित बृजवासी स्वीट्स से मावा कुंदा मिठाई मिल्क केक और बेसन लड्डू के नमूने लिए गए। डोमिनोज और पिज्जा हट सहित अन्य प्रतिष्ठानों का भी निरीक्षण किया गया। सभी संग्रहित नमूने जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे जाएंगे। रिपोर्ट के आधार पर आगे वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

स्कूल-कॉलेज और छात्रावासों में बनेंगी एंटी ड्रग्स समितियां, संभागायुक्त ने अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

ड्रग्स और अवैध शराब के नेटवर्क पर कसेंगे शिकंजा

भोपाल, यशभारत।



भोपाल संभाग को ड्रग्स और अवैध शराब से मुक्त करने के लिए प्रशासन अब सख्त अभियान चलाएगा। संभागायुक्त कर्मवीर शर्मा ने निर्देश दिए हैं कि नशे के कारोबार में लिप्त लोगों के खिलाफ रासुका और एनडीपीएस एक्ट के तहत कठोर कार्रवाई कर पूरे नेटवर्क को ध्वस्त किया जाए। इस काम में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। शुक्रवार को आयोजित संभागीय अंतरविभागीय समीक्षा बैठक में उन्होंने सभी स्कूलों कॉलेजों विश्वविद्यालयों और छात्रावासों में एंटी ड्रग्स समितियां गठित करने के निर्देश दिए। समितियां विद्यार्थियों को जागरूक करने के साथ नशे से जुड़ी गतिविधियों की सूचना पुलिस को देंगी। प्रत्येक छात्रावास में नोडल अधिकारी नियुक्त होगा। पुलिस और आबकारी विभाग की संयुक्त टीमें नियमित निरीक्षण करेंगी। मोहल्लावार समितियां भी बनाई जाएंगी। मेडिकल स्टोर और उद्योगों के माध्यम से होने वाले नशे के दुरुपयोग पर भी निगरानी रखी जाएगी।



स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष कुमार शुक्ला द्वारा पी.जी. इंन्फ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विस प्रा. लि. करौंद बाईपास रोड भानपुर भोपाल मप्र से मुद्रित, 3 इन्द्रा प्रेस कॉम्प्लेक्स, रामगोपाल महेश्वरी मार्ग एमपी नगर, जोन 1 भोपाल से प्रकाशित, संपादक अम्बरीष तिवारी *, सलाहकार संपादक श्याम कटारे।
फोन - 9111201000, डाक पंजीयन क्रं. एसएसपी/ जबलपुर/26/2025-27 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। RNI No. MPHIN/2015/60766- email - bhopalyashbharat02@gmail.com (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)